केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 303 सोमवार 27 मई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सपा की सरकार में हाबी थे माफिया- मोदी

मिर्जापुर (आभा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को साम्प्रदायिक और जातिवादी बताते हुए दावा किया कि उसने मुस्लिमों को आरक्षण देने के लिए संविधान बदलने का फैसला कर लिया है। मोदी ने कहा, 'कानून व्यवस्था और समाजवादी पार्टी का छत्तीस का आंकड़ा है। जो आतंकी पकड़े जाते थे, उनको भी ये सपा वाले छोड़ देते थे। जो पुलिस अफसर इसमें आनाकानी करता था, सपा सरकार उसे सस्पेंड कर देती थी। इन्होंने पूरे यूपी को, पूर्वांचल को माफिया का सुरक्षित ठिकाना बना दिया था। जीवन हो या जमीन, कब छिन जाए कोई नहीं जानता था और सपा सरकार में माफिया को भी वोटबैंक के हिसाब से देखा जाता था। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को यहां मड़िहान रोड पर बरकछा कलां में एक चुनावी सभा को सम्बोधित कर रहे थे।

टेम्पो पलटने से दो घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बनकटी (बस्ती)। मुंडेरवा थाना क्षेत्र के मुंडेरवा –महादेवा मार्ग पर महादेवा की तरफ जा रही टैम्पो सुकालीपुरवा गाव के मोड पर पहुची ही थी कि तभी टैम्पो अनियंत्रित होकर सरयू नहर की पुलिया तोडते हुए गड्ढे मे गिर गयी। टैम्पो मे सवार मेही लाल(35) अपनी पत्नी अनिता और बहन मीरा(28)के साथ अपने गाव मनिकौरा कला थाना मुंडेरवा जा रहे थे। अनिता और मेही लाल को ज्यादा चोटे आई है।टैम्पो चालक आज्ञा राम निवासी बरडाड़ टैम्पो छोड कर भाग गया।आसपास के लोगों की मदद से एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेज दिया गया।

ट्रक की ठोकर से ट्राली पलटी, एक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। छावनी थाना क्षेत्र के फूलडीह गांव के पराग रेस्टोरेंट के सामने अयोध्या से विक्रमजोत जा रही एक ईंट लदी ट्रैक्टर ट्राली अज्ञात ट्रक की चपेट में आने से अनियंत्रित होकर हाइवे पर पलट गयी थी। घटना मे ट्रैक्टर के नीचे दब कर ट्रैक्टर चालक गम्भीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोग इलाज के मेडिकल कॉलेज ले गये जंहा इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। जिसकी पुष्टि चौकी इंचार्ज विक्रमजोत रितेश कुमार सिंह ने किया। दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर ट्राली पुलिस ने कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही कर रही है।

बता दें कि मृतक राम भवन यादव पुत्र लालता यादव निवासी गोण्डा जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र के सुभागपुर पश्चिम पुरवा दिहाड़ी मजदूरी का काम करता था। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार को सुबह लगभग 11 बजे अंबेडकरनगर के ईंट भट्ठे से हिंद मार्का ईंट लादकर ईंट गिराने विक्रमजोत जा रहा था उसके साथ राम जी यादव और राकेश यादव भी बैठे थे जैसे ही फुल डी के पराग रेस्टोरेंट के सामने पहुंचे कि पीछे से आई एक ट्रक ने ट्राली को साइड मार दिया अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर ट्राली डिवाइडेड से टकराकर हाईवे पर पलट गई जिसमें राम भवन यादव रामजी यादव और राकेश यादव तीनों बुरी तरह घायल हो गए स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची विक्रमजोत पुलिस ने तीनों को एम्बुलेंस से मंडलीय चिकित्सालय दर्शन नगर भेजा। जहां चालक राम भवन यादव की इलाज के दौरान मौत हो गई।

मृतक राम भवन यादव अपने माता–पिता का इकलौता बेटा था। चार बहनों में से तीन की शादी हो चुकी है। सबसे छोटी बहन जिनका की शादी अभी नहीं हुई है। मृतक के दो बच्चे सुगी तीन वर्ष व बेटा शुभम डेढ़ वर्ष का है। मृतक की पत्नी रेनू यादव का रो–रोकर बुरा हाल है। मां रामकली रोते–रोते बदहवास हो जा रही थी। पिता लालता यादव का कहना है अब बुढ़ापे में कौन सहारा होगा।

दिल्ली के अस्पताल में आग से 7 मासूमों की मौतः मालिक गिरफ्तार

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली के बेबी केयर अस्पताल के मालिक को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान डॉ नवीन खीची के तौर पर हुई है। हादसे के बाद से ही नवीन खीची फरार बताया जा रहा था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी।उस पर इलाज के दौरान एक नवजात को नुकसान पहुंचाने का आरोप है और उसके पास अस्पताल चलाने की एनओसी भी नहीं थी। पुलिस फिलहाल नवीन खीची से पूछताछ कर मामले की तह तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। बताया जा रहा है कि विवेक विहार में स्थित बेबी केयर अस्पताल के अलावा उसके और भी कई अस्पताल थे जहां बच्चों का ही इलाज होता था।

शनिवार रात करीब 11.30 बजे विवेक विहार स्थित बेबी केयर अस्पताल में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते आसपास की दुकानों में भी फैल गई। सूचना मिलते ही फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची और अन्य स्थानीय लोगों के साथ मिलकर अस्पताल में मौजूद 12 बच्चों को बाहर निकाला। इन बच्चों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया जिनमें 7 को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया और एक की इलाज के दौरान मौत हो गई।

दिल्ली अग्निशमन विभाग के डायरेक्टर अतुल गर्ग ने कहा कि यह सबसे अधिक संभावना है कि अधिकारियों के पास एनओसी नहीं था। दिल्ली पुलिस ने आरोपी नवीन खीची के खिलाफ विवेक विहार थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 336 (दूसरों की जान खतरे में डालने वाला कार्य) और 304ए (लापरवाही से मौत का कारण बनना) के तहत मामला दर्ज किया है। हादसे के बाद से ही नवीन फरार था। लेकिन अब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में कुछ ऑक्सीजन सिलेंडर भी थे जिनके चलते धमाके भी हुए।

उन्होंने बताया, रात 11.32 बजे, हमें फोन आया कि बेबी केयर अस्पताल में आग लग गई है। हमने शुरुआत में सात दमकल गाड़ियां भेजीं और बाद में पांच और गाड़ियां भेजीं। हमने बहुत मेहनत की और 12 बच्चों को बचाया। बाद में हमें पता चला कि वहां छोटे–छोटे बच्चे थे जिनमें करीब छह बच्चों की मौत हो गई।

जब तक पापियों का अंत नहीं कर देंगे, नहीं लेंगे चैन की सांस-योगी

गाजीपुर (आभा)। हम रामभक्त हैं, तब तक चैन की सांस नहीं लेंगे, जब तक पापियों का अंत नहीं कर देते। आज बेटी और व्यापारी की सुरक्षा से कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता और अगर ये दुरुसाहस करने की किसी ने कोशिश की तो अगले ही चौराहे पर यमराज उसका इंतजार करते हुए मिलेंगे। जो मफिया कभी कानून की धज्जियां उड़ाया करते थे आज यूपी का बुलडोजर उनकी छाती को रौंद रहा है। गाजीपुर का एक माफिया अपने काले कारनामों को छिपाने के लिए खुद को ब्रिगेडियर उस्मान के परिवार का बताता है जबकि ये कोरा झूठ है और उसका ब्रिगेडियर उस्मान के परिवार से कोई नाता नहीं है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को चार जनसभाओं को संबोधित करते हुए कही।

बस्ती में वीवीपैट की फोटो खींचकर वायरल करने के मामले में एक हिरासत में

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। लोकसभा चुनाव के दौरान बस्ती के दो मतदाताओं ने वीवीपैट की फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए डीएम अंद्रा वामसी ने सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया। फोटो अपलोड करने वाले एक युवक को कोतवाली पुलिस ने पकड़ लिया है। उसके खिलाफ केस दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

चुनाव में दो मतदाताओं ने मतदान के गोपनीयता पर सवाल खड़ा कर दिया। फेसबुक पर शिवबालक प्रजापति के नाम से आईडी चलाने वाले एक युवक ने मतदान के बाद वीवीपैट पर डिस्प्ले की फोटो को अपलोड कर दिया। तेजी से वायरल होने लगा। तमाम लोगों ने इसे हवाट्सएप पर डाल दिया। हालांकि यह नहीं पता चला कि यह वोट किस बूथ पर डाला गया था। प्रशासन इसकी जानकारी कर रहा है।

इसी प्रकार सदर विधानसभा क्षेत्र के मनहनडीह थाना कोतवाली बूथ पर अरविन्द चौधरी नामक युवक ने फेसबुक पर वीपीपैट की फोटो को वायरल किया। इसको संज्ञान में लेते हुए कोतवाली पुलिस ने अरविन्द चौधरी को हिरासत में ले लिया। कोतवाली पुलिस ने बताया कि पीठासीन अधिकारी की तहरीर पर युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में बस्ती के डीएम अंद्रा वामसी ने बताया कि मतदान की गोपनीयता भंग करना आयोग के नियमों के विरुद्ध है। आयोग के निर्देश था कि बूथ में मोबाइल फोन वर्जित रहेगा। जिस भी मतदाता ने इस नियम को तोड़ा है, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया गया है।

चुनाव में बिना सूचना अनुपस्थित रहने वाले 6 कर्मचारी निलम्बित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती,। जिला निर्वाचन अधिकारी अन्द्रा वामसी ने लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के मतदान ड्यिूटी में बिना किसी सूचना के अनुपस्थित 6 लोगों को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है। उक्त निर्देश उन्होंने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि अन्य लोग जो पति–पत्नी दोनों में से एक लोग चुनाव ड्यिूटी कर लिए हैं उन्हें कार्यवाही से मुक्त कर दिया जाए।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा बताया गया कि वे गम्भीर बीमारी से ग्रसित है। इस पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने चार सदस्यीय कमेटी गठित किया है। इस कमेटी के सदस्य एआरओ सदर, तहसीलदार सदर, एबीएसए सदर, डीसी मनरेगा हैं। यह कमेटी इन्क्वायरी करते हुए जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। संतोषजनक रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर सम्बन्धित पर कार्यवाही न किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिया कि अनुपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों का वेतन तत्काल प्रभाव से बाधित करते हुए मूलवेतन पर दिया जाए।

बैठक में परियोजना निदेशक राजेश झा, भूमि संरक्षण अधिकारी डा0 राजमंगल चौधरी सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मतदान के बाद सक्रिय हुये चुनावी पंडित लग रही है जीत–हार की बाजियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। मतदान सम्पन्न होने के बाद जैसा कि होता आया है, समर्थक और मतदाता अपने–अपने प्रत्याशियों के जीत के दावे कर रहे हैं और बाजियां लग रही हैं। चुनावी पंडित उहापोह में हैं। कभी वे सांसद हरीश द्विवेदी को तीसरी बार सांसद हो जाने का दावा करते हैं तो कभी मानते हैं कि दलितों का सर्वाधिक मत साईकिल पर चला गया इस लिये राम प्रसाद चौधरी को इस बार सांसद बनने का मौका मिलेगा। भाजपा के भीतर की गुटबाजी के कारण हरीश द्विवेदी को बस्ती सदर, रूधौली, कप्तानगंज, हर्रैया और महादेवा विधानसभा के अनेक बूथों पर नुकसान उठाना पड़ सकता है। मतदाताओं की चुप्पी ने चुनावी पंडितों को भी परेशान कर रखा है। पूरा चुनाव भाजपा सरकार के नीतियों और संविधान बदल देने के मुद्दे पर लड़ा गया।

बहरहाल मतदान के दूसरे दिन भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी, सपा प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी, बसपा प्रत्याशी लवकुश पटेल सहित नौ उम्मीदवार लोग पार्टी से प्रत्याशी लवकुश पटेल ने थकान मिटाई और कार्यकर्ताओं से बूथवार जानकारी हासिल किया। दोनों के समर्थक जीत का दावा तो कर रहे हैं लेकिन यह मानते हैं कि लड़ाई कांटे की है और 4 जून को दोनों में से कोई भी सांसद हो सकता है।

ज्ञात रहे कि सांसद व प्रत्याशी हरीश द्विवेदी, सपा के प्रत्याशी पूर्व मंत्री राम प्रसाद चौधरी और बसपा के प्रत्याशी लवकुश पटेल सहित नौ उम्मीदवार लोग पार्टी से पंकज दुबे, मौलिक अधिकार पार्टी से प्रेम कुमार, भारत महापरिवार पार्टी से शैलेंद्र कुमार, आल इंडिया फारवर्ड ब्लाक से हाफिज अली, निर्दल प्रमोद कुमार व निर्दल से ही रामकरन सहित 9 प्रत्याशी चुनावी मैदान में दांव आजमा रहे हैं।

बस्ती लोकसभा सीट पर शनिवार को मतदान सकुशल संपन्न होने के बाद अब 'चुनावी पंडित आंकड़ों की बाजीगरी से उम्मीदवारों की जीत–हार बता रहे हैं। यह पंडित किसी एक नहीं, बल्कि हर खेमे में देखने को मिल जाएंगे। तर्क ऐसा कि आम जनमानस इन्हीं की बातों को सही मानकर चौराहों पर चर्चा करने में मशगूल हो जा रहा है। हालांकि, चुनाव परिणाम का इंतजार सभी को है। सियासी पंडितों के साथ समर्थक भी मोहल्ला, वार्ड और गांव–क्षेत्रवार वोटों की गिनती कर रहे हैं। चर्चाओं का बाजार शहरी क्षेत्रों में ही नहीं ग्रामीण इलाकों में भी गर्म है। चुनाव के दूसरे दिन कई स्थानों पर लोग चाय की दुकान, होटल, पान की दुकान आदि पर चुनाव परिणाम को लेकर चर्चा करते दिखे। कोई कह रहा था, साइकिल तेज चली तो किसी की नजर में फिर से कमल खिल रहा है। संबंधित पार्टी अथवा प्रत्याशी की विचारधारा से ताल्लुक रखने वाले लोग आपस में शर्त भी लगाने लगे हैं। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद दो प्रत्याशियों की जीत–हार पर दांव लगे है। शर्त लगाने वालों में दो पार्टियों के समर्थक ही अधिक शामिल हैं।

चुनाव में मुजरा से लेकर विरासत कर तक, विवादित बयानों की गर्मी

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर 7 चरणों में मतदान की प्रक्रिया जारी है। 1 जून को अंतिम चरण का मतदान होना है। इससे पहले, टॉप के कई नेता सार्वजनिक रैलियों के दौरान विवादास्पद टिप्पणियां कर चुके हैं। इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी तक शामिल हैं। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों दलों के नेता चुनाव आयोग से इसकी शिकायत दर्ज करा चुके हैं। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि इस तरह के बयानों का सिलसिला अभी भी जारी है।

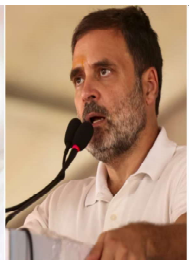

पीएम मोदी ने विपक्षी गठबंधन इंडिया पर शनिवार को तीखा हमला किया था। उन्होंने उस पर मुस्लिम वोट बैंक के लिए गुलामी और मुजरा करने का आरोप लगाया। उन्होंने अल्पसंख्यक संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पछड़ा वर्ग को आरक्षण से वंचित करने के लिए राजद और कांग्रेस जैसे दलों को जिम्मेदार ठहराया। मोदी ने कहा, 'बिहार वह भूमि है जिसने सामाजिक न्याय की लड़ाई को एक नई दिशा दी है। मैं इस प्रदेश की भूमि पर यह घोषणा करना चाहता हूं कि मैं एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकारों को लूटने और उन्हें मुसलमानों को देने की इंडिया गठबंधन की योजनाओं को विफल कर दूंगा। वे गुलाम बने रह सकते हैं और अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए मुजरा कर सकते हैं।श मोदी ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन उन लोगों के समर्थन पर भरोसा कर रहा है जो "वोट जिहाद" में लिप्त हैं। साथ ही उन्होंने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला दिया, जिसमें कई मुस्लिम समूहों को ओबीसी की सूची में शामिल करने के पश्चिम बंगाल सरकार के फैसले को रद कर दिया गया है।

कन्हैया कुमार के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा में राहुल गांधी ने सैनिकों को लेकर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा कि केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना को खत्म कर दिया जाएगा, क्योंकि यह सेना के खिलाफ है। राहुल ने कहा कि पीएम मोदी ने 2 तरह के सैनिक पैदा कर दिए हैं। उनका कहना था, 'अग्निपथ योजना को हम कूड़ेदान में फेंकने वाले हैं, क्योंकि यह सेना के खिलाफ है, देशभक्ति के खिलाफ है। एक सैनिक को शहीद का दर्जा मिलेगा, पेंशन मिलेगी, लेकिन अग्निवीर को न शहीद का दर्जा मिलेगा, न ही पेंशन मिलेगी और न ही सामाजिक सुरक्षा मिलेगी।' उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने अर्थव्यवस्था का इंजन बंद कर दिया, लेकिन जब इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी तो गरीबों व युवाओं को आर्थिक मदद देकर इस इंजन को फिर से चालू किया जाएगा।

इंडिया ओवरसीज कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने संपत्ति वितरण को लेकर विवादित बयान दिया था। कांग्रेस नेता ने कहा था, श्अमेरिका में विरासत कर लगता है। अगर किसी के पास 10 करोड़ डॉलर की संपत्ति है और जब वह मर जाता है तो वह केवल 45 फीसदी अपने बच्चों को ट्रांसफर कर सकता है।श उन्होंने कहा कि यह वाकई एक दिलचस्प कानून है। इस बयान पर पलटवार करते हुए पीएम मोदी कहा था कि आप जो अपनी मेहनत से संपत्ति जुटाते हैं, वो आपके बच्चों को नहीं मिलेगी। कांग्रेस का पंजा वो भी आपसे लूट लेगा। कांग्रेस का मंत्र है– कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में मुस्लिम लीग की छाप दिखाई दे रही है। कांग्रेस की नजर आपके मकान, दुकान और खेत पर है जो आपकी संपत्ति पर नजर जमाए हुए है और लूटना चाहते हैं।

भगवान जगन्नाथ पर जुबान फिसलने को लेकर भारतीय जनता पार्टी के नेता और पुरी लोकसभा सीट से प्रत्याशी संबित पात्रा विवादों में घिर गए थे। पात्रा ने सोमवार को टेलीविजन चैनलों से बातचीत में कहा था कि राज्य के प्रतिष्ठित देवता भगवान जगन्नाथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भक्त हैं।

मतदान करने के विवाद मामले में गौर ब्लाक प्रमुख के बेटे के विरूद्ध मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। गौर विकास खण्ड के ब्लाक प्रमुख जटाशंकर के पुत्र अखिलेश के साथ ही तीन लोगों के विरूद्ध वोट डालने को लेकर विवाद मामले में ढोढरी निवासी दुर्गेश पाण्डेय पुत्र स्वर्गीय जयराम ने गौर थाने में भादवि की धारा 323, 504, 06 के तहत नामजद मुकदमा दर्ज कराया है।

ब्लॉक प्रमुख के बेटे अखिलेश के साथ ही अमरदीप पुत्र शिव प्रसाद, जितेन्द्र पाण्डेय पुत्र सोमनाथ पाण्डेय के विरूद्ध दर्ज कराये गये मुकदमें की तहरीर में ढोढरी निवासी दुर्गेश पाण्डेय ने कहा है कि 25 मई को वे कम्पोजिट विद्यालय छितहा पर वोट किसको दिया, जब उसने बताया कि यह बताने की चीज नहीं है तो उन लोगों ने कहा कि तुमने ने सपा को वोट दिया होगा। दुर्गेश पाण्डेय ने जब यह कहा कि यही मान लीजिये तो उक्त लोगों ने गालीगलौज करते हुये मारा पीटा। इससे उसे सिर व शरीर के अनेक हिस्सों काफी चोटें आयी है। पिटाई के दौरान गले का चेन, घड़ी और पांच हजार रुपये कहीं गायब हो गया। रविवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गौर पर दुर्गेश पाण्डेय का डाक्टरी मुआयना कराया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुये इलाज के लिये दुर्गेश को बस्ती जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है। पुलिस मुकदमा पंजीकृत कर मामले की विवेचना कर रही है।

घायल– दुर्गेश पाण्डेय

मतदान करने गये थे। वोट डालकर लौटते वक्त ब्लॉक ब्लाक प्रमुख के बेटे अखिलेश शुक्ल, अमरजीत और जितेन्द्र पाण्डेय आदि ने पूंछा कि

यूपी लोकसभा चुनावः अंतिम चरण में भाजपा पर है 2014 का प्रदर्शन दोहराने की चुनौती

लखनऊ (आभा)। यूपी में अन्तिम चरण के चुनाव में भाजपा पर 2014 के उसके अपने प्रदर्शन को दोहराने का भारी दबाव है। अन्तिम चरण में यूपी में कुल 13 लोकसभा सीटें हैं जहां पहली जून को चुनाव है। इन 13 सीटों में से 2014 के चुनाव में भाजपा ने 12 सीटें जीत ली थी जबकि शेष बची एक सीट पर भाजपा के ही सहयोगी अपना दल ने कब्जा किया था। इस प्रकार से 2014 में अन्तिम चरण की 13 में से 13 सीटें भाजपा गठबंधन के पाले में गया था। हालांकि भाजपा अपना यह प्रदर्शन 2019 के चुनाव में दोहरा नहीं सकी और उसे कम सीटों से ही संतोष करना पड़ा। 2019 के चुनाव में इन 13 लोकसभा सीटों में से भाजपा गठबंधन को 11 सीटें ही हासिल हो सकी थी। इसमें नौ सीटें भाजपा को मिली थी जबकि दो सीट भाजपा की सहयोगी अपना दल (एस) के पाले में गया था। शेष बची दो सीट बसपा ने भाजपा से छीन ली थी। ये सीटें थीं घोसी और गाजीपुर। भाजपा के सामने इन दोनों सीटों को फिर से हासिल करने का बड़ा दबाव है। सातवें चरण के इन 13 सीटों के अन्तर्गत विधानसभा की कुल 65 सीटें आती हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में इन 65 सीटों में से भाजपा ने 43 सीटें जीत ली थी जो इन सीटों का 66.15 प्रतिशत है।

2019 के लोकसभा चुनाव के बाद प्रदेश में हुई 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जिस प्रकार से भारी सफलता मिली उससे लखरेज पार्टी एक बार फिर से सभी 13 सीटें हासिल करने के लिए पूरी ताकत लगा दी है। आलम यह है कि 23 मई को छठे चरण का चुनाव प्रचार समाप्त होते ही भाजपा के सारे शीर्ष नेताओं का फोकस अन्तिम चरण के इन्हीं सीटों पर केन्द्रित हो गई है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 मई को घोसी में रैली कर चुके हैं और अगले तीन दिनों के भीतर उनकी मिर्जापुर, मऊ एवं देवरिया में बड़ी रैलियां प्रस्तावित है। इसी प्रकार से पार्टी के शीर्ष नेता मसलन अमित शाह, जेपी नड्डा तथा यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत अनेक बड़े नेताओं की लगातार कई रैलियां व सभायें इन सीटों पर बारी–बारी से होने जा रही है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 27 मई 2024 सोमवार

सम्पादकीय

जानलेवा गर्मी

लोकसभा चुनाव के लिए जारी मतदान के बीच देश में भीषण गर्मी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। आसमान से बरस रही इस आग ने लोगों का जीवन अस्त–व्यस्त कर दिया है, देश के कई अन्य हिस्सों में भी लगातार तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। इस बीच केंद्र और राज्य सरकारों ने भी चिलचिलाती गर्मी से बचने के लिए दिशा–निर्देश जारी किया है। इस सीजन पहली बार है, जब देश में पारा 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया. बीते दिनों राजस्थान में भी कथित तौर पर लू लगने से 5 लोगों की मौत हो गई थी।

भारत में इन दिनों मौसम चिंता की एक वजह बना हुआ है। मौसम के मिजाज में खासा अंतर दिख रहा है। कहीं भयानक लू है, तो कहीं वर्षा से सामान्य जनजीवन प्रभावित है। दिल्ली में तो अस्थिर किस्म का मौसम है, कभी खूब गरमी, तो कभी राहत की कुछ फुहारें। मुंबई का भी ऐसा ही हाल है। तापमान एक दशक का रिकॉर्ड तोड़ रहा है, तो कहीं बारिश राहत बन बरस रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, अगले कुछ दिनों में उत्तर भारतीय राज्यों में गंभीर गरमी का एहसास होगा। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, इसका मतलब है कि कमजोर स्वास्थ्य के लोगों को विशेष रूप से सावधान रहना होगा। जो लोग बदलते मौसम के साथ कमजोरी महसूस करते हैं या पहले से ही बीमार हैं, उन्हें विशेष रूप से गरमी से बचने के इंतजाम करने पड़ेंगे। साथ ही, जो लोग स्वस्थ हैं, उन्हें भी धूप से बचने के प्रबंध के साथ ही घर से निकलना होगा।

मौसम विभाग ने यह भी बताया है कि उत्तर–पश्चिम भारत में अगले पांच दिनों तक उमस भरी स्थिति रहेगी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। पुनः आगाह किया गया है कि जो लोग कड़ी मेहनत करते हैं या धूप में बहुत समय बिताते हैं, उन्हें गरमी से संबंधित बीमारियों का खतरा अधिक हो सकता है। उत्तर प्रदेश और बिहार में भी पारा सामान्य से काफी ऊपर चल रहा है, जिसका असर घर से खेत तक साफ दिखाई पड़ रहा है। विशेषज्ञों का अनुमान है, आने वाले दिनों में गरमी का कहर जारी रहेगा और यह कुछ जगहों पर समय के साथ बढ़ भी सकता है। झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में भी लोगों को चेताया गया है। कुछ जगहों पर बारिश की संभावना है, पर ज्यादातर इलाके बारिश के लिए तरसेंगे। गरम हवा का स्तर भी कम हो रहा है, जिससे धरती की तपन बढ़ी है। आईएमडी के महानिदेशक एम महापात्रा ने भी बता दिया है कि अगले सात दिन गरमी रहेगी। वैसे, गौर करने की बात है कि मौसम विभाग ने मई महीने में सामान्य से ज्यादा तापमान की भविष्यवाणी पहले ही कर दी थी।

एक बड़ी चिंता की बात यह है कि तापमान का असर चुनाव और मतदान पर भी खूब पड़ेगा। मतदान का प्रतिशत अभी भी चर्चा की एक बड़ी वजह बना हुआ है। चुनाव आयोग को मतदान केंद्रों पर भी विशेष प्रबंध करने पड़ सकते हैं, ताकि दूर से मतदान के लिए आया कोई व्यक्ति प्रतिकूल मौसम की वजह से परेशान न हो। सेहत से कमजोर लोगों के लिए ज्यादा बेहतर यही है कि सुबह के समय ही मतदान कर दें। क्या सुबह और शाम के समय मतदान का समय बढ़ाया जा सकता है? अगर ऐसा होता है, तो लोगों को मतदान केंद्रों तक लाने में सुविधा होगी। हालांकि, यह अच्छी बात है कि चुनाव के प्रमुख चार बडेद्द चरण पूरे हो चुके हैं। दक्षिण भारत में मतदान संपन्न हो चुका है और वहां अनेक इलाकों में गरज के साथ बारिश हो रही है। वैसे, मानसून के रविवार को दक्षिण अंडमान सागर, बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और निकोबार द्वीप समूह में प्रवेश करने का अनुमान है। यह विडंबना ही है कि मौसम विभाग ने तमिलनाडु के लिए बाढ़ की चेतावनी जारी की है। यह शायद हमारे देश के भूगोल की ही विशेषता है कि जब उत्तर भारत ताप से तप रहा होगा, तब दक्षिण भारत के साथ ही, पूर्वोत्तर भारत झमाझम भीग रहा होगा।

गर्मी में जल–संकट की बढ़ती चुनौतियां

– ललित गर्ग–

देश के कई भागों में भीषण गर्मी पड़ रही है, जैसे–जैसे गर्मी प्रचंड होती जा रही है, जल संकट की खबरें भी डराने लगी है। राजस्थान, दिल्ली, कर्नाटक आदि प्रांतों में पानी के लिये त्राहि–त्राहि मची है। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले महर–खुवा गांव में जल–संकट की तस्वीरें भयावह एवं डराने वाली है। इस गांव में लगभग 100 आदिवासी परिवार रहते हैं, जिनके पास अब इतना भी पानी नहीं बचा है कि ये दिन में दो वक्त का खाना बना सकें और अपनी प्यास बुझा सकें। ऐसे हजारों गांव हैं, जहां पानी के अभाव में जीवन संकट में हैं। भारत अपने इतिहास के सबसे गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। लोकसभा चुनाव अन्तिम चरण की ओर अग्रसर है, आज हमारे उम्मीदवार मुफ्त बिजली और पानी देने का वादा करके चुनाव तो जीत जाते हैं लेकिन भारत में जिस तरह पानी का संकट गंभीर हो रहा है, उससे उनकी कथनी और करनी की असमानता ही बार–बार उजागर होती है। जल–संकट चरम पराकाष्ठा पर है, एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब पैसा देकर भी पानी खरीदना मुश्किल हो जाएगा। जल–संकट चुनाव जीतने एवं राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा तो है, लेकिन समाधान का नहीं। जल संकट ने राजनीतिक रंग तो ले लिया है, विभिन्न राजनीतिक दल एक–दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं और पिस रहा आम आदमी। पैसे वालों के लिए पानी इतनी बड़ी समस्या नहीं है लेकिन जिन लोगों के पास पैसों की किल्लत है, वे पानी की किल्लत से भी जूझ रहे हैं क्योंकि टैंकर का पानी महंगा पड़ रहा है।

वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते राजस्थान, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से दो–चार है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते जल संकट की गंभीरता को ही दर्शाते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। महर–खुवा गांव की ही तरह अलवर जिले के कई गांव में लोग किसी एक मौसम में नहीं, बल्कि 12 महीनें भीषण जल संकट का सामना कर रहें है। इन गांवो में पानी का स्त्रोत है ही नहीं। इन इलाकों में पानी की इतनी कमी है कि लोग उसे अपने घरों में टैंकर में छिपाकर और ताला लगाकर सुरक्षित रखने लगे हैं।

भारत के गांवों में रहने वाले करीब 20 करोड़ परिवारों के घरों में नल नहीं है। इन परिवारों की औरतें पैदल चलकर, घंटों लाइन में लगकर पानी इकट्ठा करती हैं। इसी चुनौती से निपटने के लिए मोदी सरकार ने साल 2019 में हर घर में नल से पानी पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन की घोषणा की। सरकार का दावा है कि अब तक 10 करोड़ घरों में नल लग गए हैं। लेकिन अभी हजारों गांवों में जल–संकट एक बड़ी समस्या बनी हुई है। एक नागरिक के रूप में हम आत्ममंथन करें कि बढ़ते जल–संकट के समाधान की दिशा में हमने क्या कदम उठाये। क्या पानी की फिजूल खर्ची को कम करने का कोई संकल्प लिया? गर्मी के आने पर हम हाय–हाय तो करने लगते हैं, लेकिन कभी हमने विचार किया कि हम इस स्थिति को दूर करने के लिये क्या योगदान देते हैं? क्या हम पौधा–रोपण की ईमानदार कोशिश करते हैं? हम जल के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं? क्या वर्षा जल सहेजने का प्रयास करते हैं ताकि तापमान कम करने व भूगर्भीय जल के संरक्षण में मदद मिले?

सच कहें तो हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के अनुरूप जैसी जीवन शैली विकसित की थी, वह हमें कुदरत के चरम से बचाती थी। राजस्थान में जल–संकट की संभावनाओं को देखते हुए आम नागरिक खुद के स्तर पर व्यापक प्रयत्न करता है। रेगिस्तान से जुड़े अनेक गांवों एवं शहरों में बने या बनने वाले मकानों में कुआ जरूर होता है, जहां बरसात के पानी को एकत्र किया जाता है, जो संकट के समय काम आता है। इसलिये गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरुआत करनी चाहिये। उचित रख–रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाने के द्वारा बरसात के पानी को बचाया जा सकता है। हम महसूस करें कि बढ़ती जनसंख्या का संसाधनों में बढ़ता दबाव भी तापमान की वृद्धि एवं जल–संकट का कारण है। बड़ी विकास परियोजनाओं व खनन के लिये जिस तरह जंगलों को उजाड़ा गया, उसका खमियाजा हमें और आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। विलासिता के साधनों, वातानुकूलन के मोह, वाटर–पार्कों एवं होटलों में पानी के अपव्यय को रोकने के लिये जन–चेतना जागृत करने की अपेक्षा है।

हमारे पुरखों ने मौसम अनुकूल खानपान, परंपरागत पेय–पदार्थों के सेवन तथा मौसम अनुकूल जीवन शैली के साथ–साथ जल–संरक्षण का ऐसा ज्ञान दिया, जो हमें मौसम के चरम में सुरक्षित रख सकता है। एक व्यक्ति के रूप में हम बहुत कुछ ऐसा कर सकते हैं जिससे जल–संकट से खुद व समाज को सुरक्षित कर सकते हैं। सरकार व समाज मिलकर जल–संकट का मुकाबला कर सकते हैं। भारत में जल–संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये है, वे दुनिया के लिये मार्गदर्शक हैं। देश के सात राज्यों के 8220 ग्राम पंचायतों में भूजल प्रबंधनों के लिए अटल भूजल योजना चल रही है।

स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित ही रेखांकित किया कि सभी राज्यों को मिलकर काम करना होगा तथा जल संरक्षण एवं उपयोग किये गये पानी को फिर से इस्तेमाल में लाने के उपाय करने होंगे। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन है नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, रक्षा करो, अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। अन्तिम समय यही तुम्हारे जीवन और जीवनी को बचायेंगे।

धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं। 2030 तक देश में पानी की मांग उपलब्ध जल वितरण की दोगुनी हो जाएगी। जिसका मतलब है कि करोड़ों लोगों के लिए पानी का गंभीर संकट पैदा हो जाएगा। स्वतंत्र संस्थाओं द्वारा जुटाए डाटा में दर्शाया गया है कि करीब 70 प्रतिशत प्रदूषित पानी के साथ भारत जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों में 120वें पायदान पर है। नीति आयोग ने कहा है, 'अभी 60 करोड़ भारतीय गंभीर से गंभीरतम जल संकट का सामना कर रहे हैं और दो लाख लोग स्वच्छ पानी तक पर्याप्त पहुंच न होने के चलते हर साल अपनी जान गंवा देते हैं।' इन जटिल एवं विकराल स्थितियों एवं डरावने तथ्यों के बावजूद हम पानी का इस्तेमाल करते हुए पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है। –लेखक, पत्रकार एवं समाजसेवी

नेताओं के लिये जीत ही सब कुछ

–राज कुमार सिंह–

सभी दल जब–तब दलबदल को लोकतंत्र और राजनीति के लिए नुकसानदेह बताते रहते हैं, लेकिन दलबदल का खेल खेलने में संकोच नहीं करते। बेशक देश में दलबदल रोकने वाले कानून भी हैं, पर जिन पर उन्हें लागू करने की जिम्मेदारी होती है, वे ही अक्सर उन्हें धत्ता बताते नजर आते हैं। महाराष्ट्र में जो हुआ, सबके सामने है। दलबदलुओं के विरुद्ध लंबित याचिकाओं पर फैसला विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने पर ही आने के उदाहरण तो तमाम हैं।

दलबदल करने वाले नेता होते हैं और कराने वाले राजनीतिक दल। वे ही अक्सर इस प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका में भी रहते हैं। अक्सर विचारधारा की दुहाई देने वाले दल और नेता चुनाव के आसपास अवसरवादी राजनीति का खेल दलबदल के जरिए खुल कर खेलते हैं। दरअसल दलबदल के लिए अपने विरोधी दल पर हर संभव आरोप लगाने वाले दल जब खुद ऐसा करते हैं तो उन्हें उसमें हृदय परिवर्तन और विचारधारा के दर्शन होने लगते हैं। बेशक शायद ही कोई दल इस खेल में अपवाद हो, पर खुद को अलग तरह की राजनीतिक संस्कृति की वाहक और विश्व का सबसे बड़ा दल बताने वाली भाजपा ही इसमें सबसे आगे नजर आए, तब आप किसी और को क्या कहेंगे?

2014 में भाजपा के केंद्र में सत्तारूढ़ होने के बाद से दलबदल का खेल जैसे और जितने बड़े स्तर पर खेला गया है, उसकी मिसाल मिलना मुश्किल है। केंद्र की सत्ता में आने के बाद भाजपा ने नारा तो 'कांग्रेस मुक्त' भारत का दिया था, लेकिन पिछले 10 साल में खुद भाजपा, 'कांग्रेस युक्त' हो गई नजर आती है। दशकों या सालों तक कांग्रेसी या किसी और विचारधारा से प्रभावित रहे नेता की विचारधारा धुर विरोधी भाजपा का पटका गले में पहन लेने मात्र से कैसे बदल जाती होगी यह वाकई शोध का विषय है।

कुछ दिन पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर बड़ी संख्या में कांग्रेस विधायक अपने दल में शामिल कर लेने का आरोप लगाया था। ऐसे दलबदलू नेताओं की तो सही संख्या भी बता पाना मुश्किल है, जिन्होंने राजनीति की हवा का रुख बदलता देख अपना रास्ता बदल लिया, लेकिन 18वीं लोकसभा के चुनाव में भाजपा ने जितनी बड़ी संख्या में दूसरे दलों से आए नेताओं को टिकट दिया है, वह बहुत कुछ कहता ही नहीं, उससे असहज सवाल भी पूछता है। लोकसभा की कुल 543 सीटों में से अपने सहयोगियों के साथ 400 सीटें जीतने का नारा देने वाली भाजपा खुद 435 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

सभी दल जब–तब दलबदल को लोकतंत्र और राजनीति के लिए नुकसानदेह बताते रहते हैं, लेकिन दलबदल का खेल खेलने में संकोच नहीं करते। बेशक देश में दलबदल रोकने वाले कानून भी हैं, पर जिन पर उन्हें लागू करने की जिम्मेदारी होती है, वे ही अक्सर उन्हें धत्ता बताते नजर आते हैं।

खुद 370 सीटें जीतने का भाजपा का सपना साकार होगा या नहीं यह तो चार जून को चुनाव परिणाम बताएंगे, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी हो सकती है कि भाजपा के कुल 435 में से 106 उम्मीदवार ऐसे हैं, जो पिछले 10 सालों में दूसरे दलों से आए हैं। इन दलबदलू उम्मीदवारों में से 90 ने तो पिछले 5 साल में भी भाजपा का दामन थामा है। कहने की जरूरत नहीं होनी चाहिए कि 24 प्रतिशत यानि लगभग एक–चौथाई दलबदलू उम्मीदवारों को लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिर के चुनाव में टिकट देने से न तो विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की साख बढ़ती है और न ही खुद को विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बताने वाली भाजपा की। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद छोड़ कर हाल ही में भाजपाई हो गए अरविंदर सिंह लवली की भाजपा में यह दूसरी पारी है।

दिल्ली में कांग्रेस सरकार में मंत्री भी रह चुके लवली अगर भाजपा की विचारधारा से इतना ही प्रभावित हैं तो वर्ष 2017 में जा कर कुछ महीनों बाद ही क्यों लौट आए थे? खैर लोकसभा चुनाव में दल बदलुओं को टिकट की बात करते हैं। भाजपा ने सबसे ज्यादा 23 दलबदलुओं को उस उत्तर प्रदेश में टिकट दिया है, जो उसका सबसे बड़ा शक्ति स्रोत माना जाता है। प्रतिशत की बात करें तो आंध्र प्रदेश बाजी मार ले गया है। पिछले लोकसभा चुनाव में आंध्र प्रदेश में कांग्रेस की तरह भाजपा का भी खाता नहीं खुल पाया था। सो, इस बार भाजपा ने पुराने दोस्त चंद्रबाबू नायडू और उनके दोस्त फिल्म अभिनेता पवन कल्याण से हाथ मिलाया है। नायडू की टी.डी.पी. और पवन कल्याण की जन सेना पार्टी से गठबंधन में भाजपा के हिस्से आंध्र की कुल 25 लोकसभा सीटों में से 6 आई हैं। आश्चर्यजनक यह है कि इनमें 5 सीटों पर उसने दलबदलुओं को टिकट दिया है। यह जान कर आपकी हैरत और बढ़ सकती है कि अपने सहयोगी दल टी.डी.पी. से आए नेताओं को भी भाजपा ने टिकट दिया है। तेलंगाना में लोकसभा की कुल 17 सीटें हैं, जिनमें से 11 पर भाजपा ने दलबदलू उम्मीदवार उतारे हैं। इनमें से 6 उम्मीदवार तो ऐसे हैं, जो चुनाव से पहले ही भाजपा में आए। जिस कांग्रेस और बी.आर.एस. के विरुद्ध भाजपा ने तेलंगाना में चुनाव लड़ा, उनसे दलबदल कर आए उम्मीदवारों को भी टिकट दिया गया। शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन टूट जाने के बाद भाजपा पंजाब में पहली बार अकेले चुनाव लड़ रही है।

पंजाब में लोकसभा की कुल 13 सीटें हैं और उसे सात दलबदलुओं पर दांव लगाना पड़ा है। ये हैं पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह की सांसद पत्नी परनीत कौर, पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पौत्र सांसद रवनीत सिंह बिट्टू, कांग्रेस से वाया आम आदमी पार्टी आए सांसद सुशील कुमार रिंकू, कभी कांग्रेस से विधानसभा चुनाव लड़े हंसराज हंस, अरविंद खन्ना और गुरमीत सिंह सोढी। जिस हरियाणा में भाजपा की पिछले दस साल से सरकार है, वहां भी उसने आधा दर्जन दलबदलुओं पर दांव लगाया है। राव इंद्रजीत सिंह, धर्मबीर सिंह, अरविंद शर्मा, रणजीत सिंह चौटाला, अशोक तंवर और नवीन जिंदल ये सभी पूर्व कांग्रेसी हैं। अन्य राज्यों पर भी नजर डालें तो भाजपा ने पश्चिम बंगाल में 10, महाराष्ट्र में 7, झारखंड में 7, ओडिशा में 6, तमिलनाडु में 5, कर्नाटक में 4, बिहार में 3 तथा राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और केरल में 2–2 दलबदलुओं को टिकट दिया है।बेशक उम्मीदवारों की किस्मत का अंतिम फैसला मतदाता ही करते हैं, पर राजनीतिक दलों और नेताओं ने तो दिखा दिया है कि सत्ता के खेल में उनके लिए नीति, निष्ठा और नैतिकता कोई मायने नहीं रखती। मायने रखती है तो सिर्फ जीत फिर वह चाहे जैसे भी मिले।

जाति और असमानता

–पी. चिदम्बरम–

कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिन्हें हम देखते तो हैं लेकिन नोटिस नहीं करते। कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिन्हें हम पढ़ते तो हैं लेकिन दर्ज नहीं करते। ऐसी चीजें हैं जो हमें झिझकने पर मजबूर करती हैं लेकिन हम उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। यह भारतीयों के अस्तित्व (हम इसे जीवित रहना कहते हैं) की वास्तविकता है, जिनमें बड़ी संख्या में गरीब हैं, पूर्वाग्रह और भेदभाव से लड़ते हैं, अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हैं, और परस्पर विरोधी आकांक्षाओं से प्रेरित हैं।

आधी रात के करीब कोलकाता के सैंट्रल एवेन्यू पर ड्राइव करें। कुछ ही लोग सड़क के किनारे सो रहे लोगों की संख्या पर ध्यान देंगे या पूछेंगे कि इन लोगों के पास रात में आश्रय क्यों नहीं है? दिल्ली में सड़कों के किसी भी जंक्शन से गुजरें। ऐसे बच्चों की संख्या जो भीख मांगते हैं या फूल या तौलिए या पायरेटेड किताबें बेचते हैं, यह स्पष्ट सवाल पैदा नहीं करेगा कि ये बच्चे स्कूल में क्यों नहीं हैं? भारत के कई हिस्सों में सूखी जमीनों से गुजरें, पानी का कोई नामो–निशान नहीं है, जमीन पर कुछ भी नहीं उगता दिखता है, फिर भी हजारों लोग जमीन पर रहते हैं और कुछ लोगों को आश्चर्य होगा कि उनकी आजीविका का स्रोत क्या है?

लोकसभा 2024 के कांग्रेस के घोषणापत्र में स्वीकार किया गया है कि पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से पिछले 3 दशकों में, भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ी है। यह विकास बढ़ते मध्यम वर्ग, उपभोक्ता वस्तुओं की प्रचुरता, हर हाथ में मोबाइल फोन, अच्छी अंतरराज्यीय सड़कें और शानदार मॉल, सिनेमा और पब जो शहरी भारत के 'टाऊन स्क्वायर' बन गए हैं, के तौर पर प्रकट हुए हैं। हालांकि 'शाइनिंग इंडिया' की तस्वीर, उन कुरूप सच्चाइयों को नहीं छिपा सकती जो हमारी विफलताओं की याद दिलाती हैं और हमारे पाठ्यक्रम को सही करने का अवसर भी देती हैं।

अर्थव्यवस्था समाज का दर्पण बनती है – यू.एन.डी.पी. ने प्रति व्यक्ति प्रति माह 1286 रुपए (शहरी) और 1089 रुपए (ग्रामीण) की कमाई पर गरीबी रेखा खींची, और अनुमान लगाया कि भारत में गरीब व्यक्तियों की संख्या 22.8 करोड़ है। यदि कुछ भी हो, तो यह बहुत ही कम आंकलन है। विश्व असमानता लैब के अनुसार, निचले 50 प्रतिशत लोगों (71 करोड़) के पास राष्ट्रीय संपत्ति का 3 प्रतिशत हिस्सा है और वे राष्ट्रीय आय का 13 प्रतिशत कमाते हैं। सरकार के घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एच.सी.एस.ई.) का अनुमान है कि निचले 50 प्रतिशत लोगों की प्रति माह घरेलू खपत 3094 रुपए(ग्रामीण) और 2001 रुपए (शहरी) है।

निचले 20 प्रतिशत लोगों के उपभोग व्यय का अनुमान लगाने के लिए महान गणितीय कौशल की आवश्यकता नहीं है। उनके पास व्यावहारिक रूप से कुछ भी नहीं है, वे बहुत कम कमाते हैं और एक गृहस्थ के रूप में, इस धरती पर जीवित रहने के लिए मुश्किल से ही उपभोग करते हैं। ग्लोबल हंगर इंडैक्स पर भारत का स्थान 125 देशों में से 111वां है। एच.सी.एस.ई. के अनुसार, गरीबों में ओ.बी.सी. औसत स्तर के करीब हैं और एस.सी. और एस.टी. सबसे गरीब हैं। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि आर्थिक पदानुक्रम उस सामाजिक पदानुक्रम को प्रतिबिंबित करता है जो हजारों वर्षों से देश में व्याप्त है और सामाजिक पदानुक्रम जाति पर आधारित है। अत्यंत गरीब और अत्यंत उत्पीड़ित लोग न्यूनतम मजदूरी पर कड़ी मेहनत करते हैं। 15.4 करोड़ व्यक्ति मनरेगा के तहत सक्रिय, पंजीकृत श्रमिक हैं। उन्हें साल में औसतन 50 दिन काम दिया जाता है।

इस बीच, दूसरे छोर पर, शीर्ष 10 प्रतिशत आबादी राष्ट्रीय आय का 57.7 प्रतिशत अर्जित करती है। सिर्फ 9223 लोगों की हिस्सेदारी 2.1 फीसदी है और सिर्फ 92,234 लोगों की हिस्सेदारी 4.3 फीसदी है। प्रति कार की कीमत 3.22 करोड़ रुपए से 8.89 करोड़ रुपए के बीच होने के कारण, 2023 में भारत में 103 लेम्बोगनी कारें बेची गईं।

कन्नौज से अखिलेश और रायबरेली से राहुल गांधी की हार पक्की -केशव मौर्य

संवाददाता–महराजगंज। बापू शताब्दी इंटर कॉलेज जहदा में भाजपा प्रत्याशी पंकज चौधरी की जनसभा में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अब तक छह चरणों का चुनाव हो चुका है। अब तक पूरे देश में हुए चुनावों में 350 से भी अधिक लोकसभा की सीटें भाजपा के खाते में आएंगी और सातवें चरण के मतदान के बाद जब चार जून को मतगणना होगी तो 400 से अधिक सीटें भाजपा जीत चुकी होगी। जबकि इस चुनाव के बाद कांग्रेस और सपा गठबंधन की करारी हार होगी। कन्नौज से अखिलेश और रायबरेली से राहुल की हार पक्की है। ऐसे में सपा कांग्रेस गठबंधन के लोगों की राजनीति खतरे में पड़ने जा रही है। प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का हेलीकॉप्टर दोपहर 12 बजकर 58 मिनट पर बापू शताब्दी इंटर कॉलेज जहदा के खेल मैदान में उतरा। तब डिप्टी सीएम का स्वागत केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, विधायक नौतनवा ऋषि त्रिपाठी, विधायक सिसवा प्रेमसागर पटेल, विधायक सदर जयमंगल कन्नौजिया, विधायक पनियरा ज्ञानेंद्र सिंह, पूर्व विधायक शिवेंद्र सिंह, पूर्व विधायक अवनींद्र नाथ द्विवेदी उर्फ महंत दूबे आदि ने हेलीपैड पर जाकर स्वागत किया।

मंच पर आते ही केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री के नेतृत्व में डिप्टी सीएम को माला पहना कर स्वागत किया गया। इसके बाद डिप्टी सीएम ने अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की अभूतपूर्व जीत के आंकड़ों से कांग्रेस और सपा गठबंधन के लोग घबरा गए हैं और अब जनता को भ्रम में डालने के लिए संविधान को खतरा में है, की बात कह रहे हैं। जहां पूरे देश में भाजपा की सर्वाधिक सीटें निकलने जा रही हैं वही सपा कांग्रेस गठबंधन का सूर्य अस्त होने जा रहा है। पश्चिम बंगाल की सरकार ने लाखों शरणार्थियों को नौकरियां देकर पिछड़ों और अन्य वर्गो का हक छीन लिया तब राहुल और अखिलेश पिछड़ों के हक न दिए जाने पर चुप क्यों रहे। डिप्टी सीएम ने कहा कि पीएम मोदी भीमराव आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को धर्मग्रंथ मानते हैं। इसीलिए जब वे 2014 में पीएम बने तो संसद की चौखट को प्रणाम करने के बाद ही अंदर गए। जनसभा को विधायक प्रेमसागर पटेल, ऋषि त्रिपाठी, जय मंगल कन्नौजिया, ज्ञानेंद्र सिंह, पूर्व राज्यमंत्री शिवेंद्र सिंह, पूर्व विधायक अवनींद्र नाथ द्विवेदी उर्फ महंत दूबे ने संबोधित किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष संजय पांडेय,जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल, अमरीश यादव, शिवनाथ मद्धेशिया,सिसवा इस्टेट के राघवेंद्र सिंह उर्फ अंकित सिंह, दुर्गा प्रसाद अग्रहरी, संतोष सिंह, धीरेंद्र प्रताप सिंह, गिरिजेश अग्रवाल, गिरिजेश जायसवाल, अजय श्रीवास्तव, राजेश्वर त्रिपाठी, सनत कुमार राहुल, जीतेंद्र बहादुर सिंह, नाथू चौधरी, जीतेंद्र पाल सिंह, नाथू पटेल, रणजीत सिंह उर्फ पप्पू सिंह आदि मौजूद रहे।

डिप्टी सीएम ने कहा कि भाजपा की लोकप्रियता का ही परिणाम है कि 2014 के लोकसभा चुनाव में जनता ने 283 सांसद चुनकर भेजा था, उसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा, बसपा और कांग्रेस ने गठबंधन कर विपक्ष में चुनाव लड़ा था। उसके बावजूद जनता ने 303 सांसदों को भाजपा की झोली में डाल दिया। 2019 में यूपी की 80 सीटों में से भाजपा को 64 सीट मिली थी। इस बार सभी 80 सीटें भाजपा को मिलने जा रही हैं और गठबंधन के प्रत्याशियों की जमानत जब्त होने जा रही है। डिप्टी सीएम ने मंच से भीड़ की तरफ जब नजर दौड़ाई तो बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पहली जून को होने वाले मतदान के दिन सभी कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ पर पिछले चुनावों से 370 मत अधिक डलवाने का कार्य करें। हर बूथ पर 370 वोट बढ़ना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि अबकी बार महराजगंज में 11 लाख पार वोट डलवाना है। डिप्टी सीएम ने एक बजकर 14 मिनट पर जनसभा को संबोधित करना शुरू किया। उन्होंने अपने 26 मिनट के भाषण में गरीबों, नौजवानों, किसानों और महिलाओं के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

आसमान से बरस रही आग, पारा पहुंचा 42 पार

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के तापमान में दिनोदिन इजाफा देखने को मिल रहा है। आग बरसाती धूप में लोगों का घरों से निकलना दूभर हो गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार रविवार को दिन में दस बजे जिले का पारा 42 पार रहा। वहीं रात में 30 डिग्री तापमान रहने की बात मौसम वैज्ञानिकों ने कही। सुबह दस बजते–बजते ही तेज धूप और लू के थपेड़ों के बीच लोग कपड़ों से शरीर को ढंककर निकलते नजर आए। दोपहर में सड़कों पर सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। लोग धूप व गर्मी से बेहाल दिखे। लोग गर्मी से बचने के लिए अधिकतर लोग तरल पदार्थों का सेवन करते दिखे। जिले में सूरज की तपिश दिनों दिन बढ़ती जा रही। जिस्म को झुलसा देने वाली धूप से लोग बेहाल हैं। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को दिन का तापमान 42 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं रात में 30 डिग्री के साथ गर्मी रिकार्ड की गई। भीषण गर्मी के चलते लोगों का बुरा हाल है। नगर हो या ग्रामीण क्षेत्र हर जगह लोग झुलसा देने वाली गर्मी से बेहाल हैं। गर्मी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि गांव में किसान अपने खेत में दस बजे के बाद नहीं रुक पा रहे। खेती किसानी कर रहे लोग अपने खेत से नौ बजे के बाद या तो घर वापस चले आ रहे हैं या फिर किसी पेड़ की छांव के नीचे दुपहरिया बिताते हैं। नगर क्षेत्रों में सुबह 11 बजे के बाद सड़कों पर सन्नाटा सा पसर जाता है। रविवार को दोपहर में सड़कें सूनी दिखीं। बहुत जरूरी काम होने पर ही लोग घरों से बाहर निकले। वहीं गर्मी के बचने के लिए गन्ने का रस, बेल शरबत, तरबूज, कोल्ड ड्रिंक, छाछ व लस्सी की दुकानों पर लोगों की अधिक भीड़ देखने को मिली। आग बरसाती धूप से लोगों में डिहाइड्रेशन व हीट स्ट्रोक की आशंका बढ़ती जा रही है। दिनों दिन बढ़ती गर्मी से लोगों का सड़कों पर निकलना दूभर हो गया है। उमस भरी गर्मी से लोगों का हाल बेहाल रहा। दिनोंदिन पेड़ों की कटान बढ़ती जा रही है। इसका सीधा प्रभाव पर्यावरण पर पड़ रहा है। क्योंकि इसके सापेक्ष लोग नए पौधे लगाने की ओर जागरूक नहीं हो रहे हैं। जो लगाए भी जा रहे हैं उनकी सही देखभाल न होने के कारण वे दम तोड़ देते हैं। डा. हिमांशु धर द्विवेदी बताते हैं कि इसका प्रभाव पर्यावरण के साथ–साथ जलवायु पर भी पड़ रहा है। इससे जहां अनियमित जलवायु परिवर्तित हो रही है वहीं पृथ्वी का तापमान भी बढ़ रहा है। पेड़ काटे जाने से जंगल लगभग खत्म से हो रहे हैं। इससे सूर्य की किरणें सीधी पृथ्वी पर पड़ती हैं जिससे यहां के तापमान में अमूल चूल परिवर्तन हो रहा है। ऐसे में लोगों को जान माल की हानि का खमियाजा उठाना पड़ता है। यदि हमें पृथ्वी पर होने वाले इन परिवर्तनों को रोकना है तो वृक्षों की कटान रोकनी होगी। इतने से ही काम सफल नहीं होगा, हमें नए पेड़ पौधे लगाने होंगे। उनकी देखभाल भी करनी होगी। इसके लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए। जल्द ही नए पौधों के लिए जागरूक नहीं हुए तो वह दिन दूर नहीं जब हमें इनके दुष्प्रभाव झेलने पड़ेंगे।

लगभग एक माह से पड़ रही भीषण गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। गर्मी के कारण लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है। वहीं मौसम के बदले इस रुख के कारण अस्पतालों में मरीजों की भीड़ बढ़ने लगी है। चिकित्सकों की मानें तो इस समय बाहर निकलने वाले लोग हीट स्ट्रोक के शिकार हो रहे हैं। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ राजेश सिंह के मुताबिक बच्चों में डायरिया की शिकायत बढ़ गई है। अस्पतालों में भर्ती अधिकतर मरीज उल्टी दस्त, पेट दर्द व बुखार से पीड़ित हैं। संयुक्त जिला अस्पताल के ओपीडी में मरीजों की संख्या तीन गुनी हो गई है। यही हाल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर भी है। यहां पर भी मरीजों की संख्या में इजाफा देखने को मिल रहा है। सामान्य दिनों में संयुक्त जिला चिकित्सालय के ओपीडी में 250 से 300 मरीज देखे जाते थे। इस समय मरीजों की संख्या बढ़कर लगभग 700 के करीब पहुंच गई है। ओपीडी से लेकर पर्चा व दवा वितरण काउंटर तक मरीजों की भीड़ लगी रहती है। चिकित्सक उपचार करने के साथ–साथ लोगों को गर्मी से बचने की सलाह भी दे रहे हैं। संयुक्त जिला अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डा. एके यादव का कहना है तीखी धूप के कारण लोगों में बीमारी बढ़ रही है। इससे बचने का सबसे अच्छा उपाय है कि तेज धूप में निकलने से परहेज करें। यदि निकलना जरूरी है तो शरीर को पूरी तरह से ढंक कर रखें। बच्चों को घर से बाहर न निकलने दें क्योंकि तेज धूप बच्चों की सेहत पर प्रभाव डालती है। कहा कि गर्मी के प्रकोप से बचने के लिए लोग मौसमी फल तरबूज, खरबूज, खीरा, ककड़ी, नारियल पानी, छाछ, लस्सी, जूस, शिकंजी व नीबू पानी खूब पिएं। चिकनाई युक्त, मसालेदार व जंकफूड खाने से परहेज करें। भोजन में दाल, हरी सब्जी व सलाद का प्रयोग अधिक करें।

मतदान बहिष्कार का एलान, मनाने में जुटे अधिकारी

संवाददाता–महराजगंज। एक ओर जहां निर्वाचन आयोग व प्रशासन शत प्रतिशत मतदान करने के लिए युद्ध स्तर पर जागरूकता अभियान चला रहा है, वहीं कुछ लोग मतदान के बहिष्कार का एलान कर रहे हैं। विकास व समस्या समाधान की मांग को लेकर लोकतंत्र के इस पर्व में शामिल होने से लोग मना करके प्रशासन की चिंता बढ़ा रहे हैं।ग्रामीणों को आश्वासन देकर मनाया जा रहा है।

जनपद के 882 ग्राम पंचायतों की जनसंख्या करीब 32 लाख से अधिक है। जनपद में एक जून को 2084 बूथों पर मतदान होना है। 20 लाख चार हजार 50 मतदाता हैं। इसमें नौ लाख 48 हजार 367 महिला,10 लाख 55 हजार 607 पुरूष व 76 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। लेकिन लंबे समय से उपेक्षित कुछ गांवों में लोगों ने मतदान नहीं करने का एलान कर दिया है। गांव में विकास नहीं, तो वोट नहीं करने का बैनर लगाकर मतदान का बहिष्कार करने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हम मतदान करते हैं, समस्या समाधान के लिए लेकिन जब समाधान नहीं हो पाता तो मतदान करने से क्या फायदा। जबतक विकास नहीं होगा और समस्या का समाधान नहीं होगा, तब तक मतदान का बहिष्कार रहेगा।

नगर पालिका परिषद महराजगंज से प्रतिदिन सैकड़ों टन कचरा निकलता है। शहर के इस कचरे को अगया गांव में गिराया जाता है। दो वर्ष पहले अगया में नगर का डम्पिंग ग्राउंड बना रहा था, तब से ग्रामीण इसका विरोध कर रहे हैं। ग्रामीणों ने एक सप्ताह पहले से चुनाव के बहिष्कार का एलान कर दिया है। ग्रामीणों का कहना कि शहर का कचरा गांव में गिराकर गांव के लोगों को क्यों बीमार किया जा रहा है। ग्रामीण इसका जवाब वोट से देंगे। जनपद में 18 वनटांगियां गांव हैं। सभी गांवों को राजस्व गांव का दर्जा मिल चुका है। इसके बाद यहां सड़क, बिजली, पानी आदि सुविधाएं पहुंच रही हैं। बीते कुछ माह पहले शासन ने सभी वनटांगिया गांवों में पक्की सड़क के निर्माण की स्वीकृति दी।

लेकिन निर्माण अधूरा होने समेत कई मांगों को लेकर वनटांगिया गांव के लोगों ने बीते शुक्रवार को मतदान बहिष्कार का एलान कर दिया। वनटांगिया वन अधिकार समिति के वनग्राम हथियहवा, बलुअहिया व वनग्राम कम्पार्ट 24 के ग्रामीणों ने कुसमहवा बीट में बने जंगल सफारी गेट के पास पहुंचकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने कहा कि वनटांगिया गांवों में पक्की सड़क का मार्ग प्रस्तावित है, लेकिन काम अधूरा है। महाव नाला पर पक्का पुल नहीं है। इससे लोग जान जोखिम में डालकर आते जाते हैं। वनग्राम हथियहवा, बलुअहिया में बूथ नहीं होने से मतदान करने करीब 14 किलोमीटर दूर नगर पंचायत चौक जाना पड़ता है।

पिता की मौत के बाद बेटों ने नहीं लगाया हाथ अपने हुए पराए, चौकीदार बना श्रवण कुमार

संवाददाता–बहराइच। जिले के ककरी गांव के रहने वाले एक वृद्ध की देर शाम को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पोस्टमार्टम के लिए वृद्ध के बेटे नहीं आए। गांव के चौकीदार ने शव जिला मुख्यालय लाया गया है। कोतवाली नानपारा अंतर्गत ग्राम पंचायत ककरी निवासी अली अहमद (70) पुत्र महमूद ने दो से तीन माह पूर्व दूसरे के हाथ जमीन बेच दी थी। जिससे जमीन बेची थी। उसी के यहां वृद्ध रह रहा था। दो दिन पूर्व वृद्ध अपने बेटों के घर आ गया। शनिवार शाम को उसकी मौत हो गई। पुत्रों को मौत की आशंका हुई। साथ ही जमीन लेने वाले व्यक्ति पर शक हुआ। जिस पर पुलिस को सूचना दी। पुत्रों की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक आरके सिंह ने बताया कि मौत स्वाभाविक है। लेकिन पुत्रों की सूचना पर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मालूम हो कि पिता से नाराज बेटे शव पोस्टमार्टम करवाने के लिए नहीं आए। जिसके चलते गांव के चौकीदार ने शव को जिला मुख्यालय भेजा गया।

गोदाम में लगा ताला, बीज के लिए भटक रहे किसान

संवाददाता–श्रावस्ती। किसान इस समय खरीफ फासल बुवाई की तैयारी में लगे हुए हैं और नर्सरी डालने को धान का बीज खरीदारी करने लगे हैं। लेकिन किसानों की जरूरत के लिए स्थापित किसान कल्याण केन्द्र में ताला लटक रहा है। इससे अनुदान पर बीज खरीदने को किसान इधर उधर भटक रहे हैं। किसानों को अनुदान पर बीज व कीटनाशक उपलब्ध कराने के लिए जमुनहा विकास क्षेत्र के हरदत्त नगर गिरंट में सरकारी किसान कल्याण केन्द्र बीज गोदाम का निर्माण कराया गया है। गोदाम निर्माण का उद्देश्य किसानों को अनुदान पर गुणवत्तापूर्ण बीज व कीटनाशक उपलब्ध कराने का है। लेकिन इन दिनों गोदाम में ताला लटक रहा है। रबि फसल की कटाई के बाद इस समय किसान खरीफ फसल बुवाई की तैयारियों में लगे हैं। किसानों की ओर से धान की नर्सरी डाली जानी है और उन्होंने बीज की खरीदारी शुरू कर दी है। लेकिन हरदत्त नगर गिरंट में सरकारी किसान कल्याण केन्द्र बीज गोदाम में ताला लटक रहा है। इससे किसानों को बीज नहीं मिल पा रहा है। मजबूरन किसान निजी दुकानों से मंहगे रेट पर बीज खरीद रहे हैं। लोगों का कहना है कि केन्द्र से उन्हें बीज, कीटनाशक, ढैंचा आदि अनुदान पर मिल जाता है। लेकिन इस सीजन में अभी तक केन्द्र का ताला नहीं खुला है। किसान कृपा राम यादव, इस्माइल खां, शोभा राम त्रिपाठी,भीखू मौर्या, छोटे लाल, पहलवान खां, सलामत उल्ला खां उर्फ टमाटर आदि लोगों ने केन्द्र खोले जाने की मांग की है।

सेवा ही ईश्वर प्राप्ति का सरल मार्ग है –महंत जयराम दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में श्रद्धालुओंकी सेवा की लिए दर्जनों स्थानों पर सेवा कैंप लगाए गए थें और लगभग दो महीने चलने के बाद धीरे–धीरे एक–एक कैंप बंद होने लगे और वर्तमान समय में श्रद्धालुओं की सेवा अब कोई कैंप नहीं चल रहे है, किसी किसी दिन सेवा में श्रद्धा कोई संस्था आकर एक–दो दिन के लिए कैंप लगा देती है लेकिन श्री राम जन्मभूमि परिसर से मात्र 500 मीटर दूर कनक भवन रोड पर श्री राम आश्रम में आश्रम के पीठाधीश्वर महंत जय रामदास वेदांती महाराज के संयोजन में श्रद्धालुओं के लिए निरंतर अन्य क्षेत्र चलाया जो प्राण प्रतिष्ठा के लगभग 5 महीने पूरे होने पर भी निरंतर चल रहा है।

महंत जयराम दास वेदांती महाराज ने बताया कि सनातन धर्म सेवा पर ही निर्भर है हमारे पूर्वज गुरुजन सेवा से ही ईश्वर के प्रति का मार्ग बताते हैं और इसके साथ–साथ मठ मंदिरों में भी हमेशा सेवा चलती है और चलती रहनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सदियों के संघर्ष के हम लोगों ने प्रभु श्रीराम को अपने जन्म स्थान पर बने भव्य मंदिर में विराजमान होते देखा है और तभी से अयोध्या में लाखों की संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं दर्शन पूजन कर रहे है। उन्हें भक्तों की सेवा के लिए आश्रम में निरंतर अन्य क्षेत्र की सेवा सुबह 11रू30 से प्रारंभ होती है और लगभग 3 बजे तक चलती है जिसमें हजारों लोग प्रसाद पाते हैं बीच में कुछ दिनों के लिए बंद हुई थी लेकिन रविवार को पुनः प्रारंभ हो गई है और भगवान की इच्छा तक प्रतिदिन चलती रहेगी।

सांड़ से टकराकर बाइक सवार गंभीररूप से घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। देर रात एक बाइक सवार अनियंत्रित होकर सांड़ से टकरा गया। इससे बस इक सवार गंभीररूप से घायल हो गया जिसे सीएचसी में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर देखते हुए घायल को रेफर कर दिया गया। गिलौला थाना क्षेत्र के कस्बा गिलौला निवासी अमित कुमार पटवा पुत्र अंगद पटवा गिलौला बाजार में ही मोबाइल की दुकान चलाता है। शनिवार रात करीब नौ बजे वह दुकान बंद कर बाइक लेकर टहलने निकला था। टहलने के बाद वह वापस घर जा रहा था। इस दौरान अनियंत्रित होकर बाइक सड़क पर खड़े सांड़ से टकरा गई और हादसे में अमित गंभीररूप से घायल हो गया। वह कुछ देर तक घटनास्थल पर ही बेहोश पड़ा रहा। लोगों की ओर से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गिलौला में भर्ती करवाया गया। लेकिन हालत नाजुक देखते प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने घायल को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। परिजनों ने बताया कि हालत गंभीर देखते हुए अमित को लखनऊ में भर्ती कराया गया है जहां इलाज चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

प्रधानमंत्री की रैली में ड्यूटी करने आए सिपाही को इनोवा ने मारी टक्कर, सिपाही समेत दो गंभीर

संवाददाता–देवरिया। देवरिया जिले के खुखुन्दू में शनिवार की देर रात एक इनोवा ने प्रधानमंत्री की रुद्रपुर रैली में ड्यूटी करने आए सिपाही को टक्कर मारते हुए सड़क किनारे एक फल के दुकान में घुस गई। इस घटना में सिपाही समेत दो लोग घायल हो गए। आसपास के लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से घायलों को जिला चिकित्सालय में इलाज के लिए भेजा। जहां सिपाही की नाजुक हालत देखते हुए उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया।

खुखुंदू थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव निवासी हृदयानंद यादव (50) पुत्र स्व. हरी लाल यादव आर्मी से रिटायर्ड जवान है। आर्मी सेवानिवृत्ति के बाद वह उत्तर प्रदेश पुलिस में सेवा दे रहे हैं। वर्तमान में महाराजगंज जिले के चौक थाना में सिपाही पद पर तैनाती है। जिले में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में सिपाही की ड्यूटी लगी हुई है। खुखुन्दू चौराहे पर दुर्गा मंदिर के समीप बाइक से सड़क क्रॉस करते समय शनिवार की देर रात सलेमपुर से तेज गति से आ रही इनोवा गाड़ी सिपाही की बाइक में टक्कर मारने के बाद खुखुन्दू गांव निवासी चुम्मन प्रसाद पुत्र बंसी प्रसाद के फल के ठेले में एवं एक दुकान के कटरैन में घुस गई। इस हादसे में सिपाही हृदयानंद यादव के अलावा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव निवासी रामनिवास यादव (55) पुत्र स्व. गोदा यादव भी घायल हो गए। आसपास के लोगों के सहयोग से घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। जहां से इलाज करने के बाद रामनिवास यादव अपने घर चले गए जबकि सिपाही हृदयानंद यादव की स्थिति गंभीर देख बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया।

चुस्की सेहत पर न पड़ न जाए भारी, बाजार में बिक रही केमिकल मिली खुली चायपत्ती

संवाददाता–देवरिया। सुबह और शाम चाय के शौकीन हैं और खुली चायपत्ती का प्रयोग कर रहे हैं तो विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में धंधेबाज बाजार में केमिकल युक्त चायपत्ती बेचने से भी गुरेज नहीं कर रहे हैं। यह आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती है। पूर्वांचल में नेपाल से सटे बहराइच व लखीमपुर खीरी से बड़ी मात्रा में बोरियों व प्लास्टिक की थैलियों में यहां मिलावटी चायपत्ती खपाई जा रही है। सस्ती जानकर घर में और अधिकतर चाय वाले इसका उपयोग कर रहे हैं। जिले में हर माह 10 से 15 लाख रुपये से अधिक की चायपत्ती का कारोबार होता है। शहर में ही छोटी–बड़ी मिलाकर कुल 10 दुकानें हैं। इसमें केवल खुली चायपत्ती का बाजार ही प्रतिमाह आठ लाख रुपये के करीब का है। 40 फीसदी खुली वाली ही बिकती है। मिलावटी चायपत्ती का कलर व स्वाद ऐसा है कि असली को भी मात देने में काफी है। पहले प्रयोग में लाई जा चुकी और लाल रंग के केमिकल मिली यह चायपत्ती लीवर के साथ ही शरीर के अन्य अंगों की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकती है। फैशन व भेड़चाल के इस दौर में अब घर पर आए किसी मेहमान को शरबत, गुड़ या चीनी देने के बजाय चाय पिलाना अब स्टेटस सिंबल बन चुका है।

ऐसे में चायपत्ती को भी धंधेबाज जहरीला बनाने से नहीं चूक रहे हैं। अपने घर पर तो जांच परखकर या ब्रांडेड चायपत्ती का प्रयोग कर आप बच भी सकते हैं, लेकिन शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित चाय की दुकानों पर अधिकतर खुली चायपत्ती का ही प्रयोग हो रहा है। पिछले दिनों बस्ती में इसी तरह की एक क्विंटल चायपत्ती पकड़ी गई थी। इसके बाद टी बोर्ड ऑफ इंडिया ने इसकी जांच के आदेश जारी किए है। हालांकि, अभी जिले में कहीं भी जांच अभियान शुरू नहीं किया गया है। 200 से 400 रुपये के बीच है। इसमें 200 से 250 रुपये किलो वाली सबसे ज्यादा डिमांड में है। साथ ही 300 रुपये वाली चायपत्ती 30 फीसदी, 400 रुपये किलो वाली 30 फीसदी ही इस्तेमाल करते हैं। 50 फीसदी लोग पैकेट वाली चायपत्ती का प्रयोग करते हैं। बारिश न होने के चलते अभी बंगाल व असम में से अच्छी क्वालिटी री चायपत्ती कम आ रही है। 15 दिन बाद बारिश होने के बाद अच्छी क्वालिटी के आने की संभावना है। राजू तिवारी, व्यापारी ने कहा कि खुली चायपत्ती सिलीगुड़ी व गुवाहाटी से जिले में आती है। 300 से 400 रुपये प्रति किलो बिक रही है। खुली चायपत्ती पैकेट वाली से सस्ती ही होती है। ग्राहक हमेशा विश्वसनीय दुकान से ही खरीदें। शक होने पर उसकी गुणवत्ता की जांच अवश्य करा लें।

रविप्रकाश, व्यापारी ने कहा कि जिले के चायपत्ती बाजार में ब्रांडेड कंपनियों का ही कब्जा है। खुले में अब चायपत्ती लेना लोग कम पसंद कर रहे हैं, हालांकि, इसके बावजूद खुली चायपत्ती की दुकानों पर ग्राहकों का इंतजार किया जाता है। बाजार में मिलावटी चायपत्ती नहीं बेची जाती। कुछ धंधेबाजों के कारण अन्य व्यापारी बदनाम होते हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। विनय कुमार सहाय, सहायक आयुक्त खाद्य ग्रेड टू ने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में ही चायपत्ती के 26 नमूने लिए गए हैं। इसमें कई नमूने फेल हुए हैं। लाल रंग के केमिकल की मिलावट की पुष्टि संबंधित विक्रेता पर विभागीय नियमों के अनुसार कार्रवाई की गई है। विभाग की ओर से हर माह मिलावटी सामान के खिलाफ जांच अभियान चलाया जाता है। डॉ. सिराजुद्दीन, फिजिशियन मेडिकल कॉलेज ने कहा कि मिलावटी चायपत्ती का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है। जानकारी के अभाव में इसका नियमित इस्तेमाल करने से कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं। लीवर के साथ ही यह अन्य अंगों की कार्यक्षमता का प्रभावित कर सकता है। वैसे लैब में जांच के बाद ही केमिकल कंपोजिशन की रिपोर्ट आएगी, तब ही सही पता चलेगा कि वह शरीर के किस अंग को ज्यादा नुकसान पहुंचाएगी।

डीएम ने की मतदान सम्बन्धी अभिलेखों व प्रपत्रों की जांच

संवाददाता–बलरमपुर। लोकसभा संसदीय सीट श्रावस्ती की मतदान प्रक्रिया सम्पन्न होने के बाद प्रेक्षक किशोर कुमार ने जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद सिंह के साथ मतदान सम्बन्धी अभिलेखों एवं प्रपत्रों की विस्तृत जांच की। प्रेक्षक ने तीन घंटे तक रेंडम रूप से पांच विधानसभाओं के मतदान बूथ के अभिलेख व प्रपत्रों की जांच कराई। इस दौरान चुनाव लड़ रहे सभी प्रत्याशी मौजूद थे। जांच के दौरान सभी प्रपत्र निर्वाचन आयोग के मानक के अनुरूप मिले। प्रत्याशियों की सभी जिज्ञासाओं एवं सवालों का निर्वाचन अधिकारी ने विस्तृत जवाब दिया। जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद सिंह ने सभी प्रत्याशियों को मतदान के दौरान शासन का सहयोग करने एवं सकारात्मक रुख अपनाने पर धन्यवाद दिया। जिला निर्वाचन अधिकारी व प्रेक्षक ने प्रत्याशियों की मौजूदगी में मतदान अभिलेखों को सील कराया। इसके उपरान्त स्ट्रांग रूम व मतगणना स्थल के चप्पे–चप्पे का निरीक्षण डीएम ने किया। इसकी तैयारी को लेकर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा– निर्देश दिए। डीएम ने निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न कराने वाले सभी मतदान कार्मिकों को धन्यवाद दिया। कहा कि इस भीषण गर्मी एवं सीमित संसाधनों से जिस तरह से मतदान कामिर्कों ने अपने दायित्वों का निर्वहन किया है वह काबिले तारीफ है। मतदान के दौरान कार्मिकों के लिए उच्च गुणवत्तापूर्ण भोजन बनाने वाली सभी रसोइयों का जिलाधिकारी ने हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी, श्रावस्ती संसदीय सीट के पांच विधानसभाओं के एसडीएम, एआरओ, प्रत्याशी व अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

तीन जोड़े एक साथ रहने को हुए राजी

संवाददाता–गोण्डा। रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित परिवार परामर्श केन्द्र में एसपी विनीत जायसवाल के निर्देशन में परामर्शदाताओं ने बिछुड़े जोड़ों की समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण किया गया। इसमें तीन जोड़े को समझा बुझाकर सुखी जीवन जीने के लिए राजी कर लिया गया। इस दौरान गंगाधर शुक्ला, संतोष ओझा, शशि भारती, राजमंगल मौर्या, महिला थाना प्रभारी निरीक्षक अनीता यादव, शाहिना बानो,ज्योति राजभर आदि मौजूद रही।

सातवें चरण का चुनाव कराने पुलिस बल कुशीनगर रवाना

संवाददाता–श्रावस्ती। लोकसभा चुनाव कराने के लिए रविवार को श्रावस्ती से पुलिस बल को कुशीनगर भेजा गया। एसपी ने हरी झांडी दिखाकर रिजर्व पुलिस लाइन से पुलिस बल को रवाना किया। इससे पहले एसपी ने ब्रीफ कर भेजे गए पुलिस जवानों को जरूरी नसीहत दी।

41 उपनिरीक्षक व 258 मुख्य आरक्षी व आरक्षी समेत कुल 299 पुलिस जवानों के दल को कुशीनगर में लोकसभा चुनाव कराने के लिए भेजा गया है। रवानगी से पहले पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने सभी पुलिस कर्मियों को रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में इकट्ठा कर ब्रीफ किया। साथ ही चुनाव आयोग की गाईडलाइन का पालन करते हुए अनुशासन में रहकर ड्यूटी निभाने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि चुनाव ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मचारी किसी भी पार्टी या उम्मीदवार की ओर से उपलब्ध कराए गए चाय व भोजन को स्वीकार नहीं करेंगे। मतदान के दौरान शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखेंगे। मतदान केंद्र की सुरक्षा बनाए रखना सभी की पहली प्राथमिकता होगी। चुनाव के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। जिससे दूसरे जिले में श्रावस्ती पुलिस की छवि खराब हो।

मतदान के दौरान अगर किसी भी बूथ पर किसी तरह का विवाद होने की संभावना हो तो संबंधित अधिकारियों व टीम इंचार्ज को तुरंत सूचना देंगे। जिससे स्थिति पर समय रहते नियंत्रण पाया जा सके। उन्होंने सभी पुलिस कर्मियों को निर्धारित समय में अपनी आमद कराने के बाद ड्यूटी प्वाइंट पर पहुंचने की नसीहत दी। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव, सीओ जमुनहा सतीश कुमार शर्मा, प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार, प्रभारी निरीक्षक चुनाव सेल गौरव सिंह आदि मौजूद रहे।

करंट की चपेट में आने से किराना व्यापारी की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। माधवगंज में रह रहे बुजुर्ग किराना व्यवसायी की करंट लगने से मौत हो गई है । इसके बाद घर परिवार में कोहराम मच गया, हालांकि परिजनों की ओर से बगैर कोई भी विधिक कार्रवाई के ही अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

धानेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पूरे सबसुख के मजरा लोखड़िया के रहने वाले बृजलाल उर्फ बृजू (65) वर्ष कस्बे में धानेपुर–पारासराराय मार्ग पर निकट मिडिल स्कूल माधवगंज में किराना की दुकान करते थे। बताया जाता है कि रविवार को सुबह शौच के बाद लाइट की स्विच बंद करने गये थे। इसी दौरान करंट के चपेट में आकर दम तोड़ दिया। परिजनों के मुताबिक करंट ने झटका दिया जिससे पीछे दीवार में सिर लड़ गया जिससे सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोट लगने से मौत हो गई। इसके बाद घर परिवार में कोहराम मच गया। हालांकि परिजनों की ओर से अयोध्या में ले जाकर अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

सीएम योगी ने कहा, जो राम को लाएं हैं, गोरखपुर की जनता उन्हें ही लाएगी

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर ग्रामीण अब गोरखपुर महानगर को टक्कर दे रहा है। 2009 से पहले यह क्षेत्र बांसगांव में आता था। इसके बाद मैं यहां से सांसद बना। यहां हर वर्ष बाढ़ आती थी, पूरा क्षेत्र जलमग्न रहता था। सड़क–बिजली नहीं थी। पूरा क्षेत्र बाढ़ की त्रासदी से जूझता था। जब आपने भाजपा को समर्थन देकर गोरखपुर ग्रामीण से विपिन सिंह को विधायक बनाया तो तरकुलानी रेग्युलेटर बन गया। अब पानी नहीं लगता। ट्रांसपोर्ट नगर से तरकुलानी और मोतीराम अड्डा से तरकुलानी तक टूलेन–कोरलेन की सड़क बन गई है, यह लगता है जैसे गोलघर और लखनऊ की हजरतगंज की सड़क हो। चिड़ियाघर भी गोरखपुर ग्रामीण में ही है। पुल और बाढ़ बचाव के लिए जितना पैसा कहा, उतना गोरखपुर ग्रामीण को उपलब्ध कराया गया। गोरखपुर ग्रामीण में वेटनरी कॉलेज भी बन रहा है, बहुत शीघ्र यह विश्वविद्यालय होगा। यहां सभी जीव–जंतु का उपचार हो रहा है। उन्नत फसल को भी आगे बढ़ाए जाने का कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को जनता इंटर कॉलेज बेलवार खोराबार में गोरखपुर लोकसभा की जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने गोरखपुर के सांसद व भाजपा प्रत्याशी रवि किशन को पुनः जिताने की अपील की। सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर तो चकाचक हो रहा है, वहीं जब अयोध्या जाएंगे तो प्रभु श्रीराम के जन्म के समय जैसी अयोध्या के दर्शन होंगे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में रामलला विराजमान हो गए। इसका पुण्य और श्रेय आपको जाता है, क्योंकि आपने मोदी–योगी को वोट दिया है, कमल निशान पर पड़ा वोट सीधे मोदी–योगी को जाता है।

आपका एक वोट विकास भी कराता है और पुण्य का भागीदार भी बना रहा है। वर्तमान और भावी पीढ़ी से कहिएगा कि मोदी को प्रधानमंत्री और योगी को मुख्यमंत्री बनाकर हमने अयोध्या का राम मंदिर बनाया है। सीएम योगी ने कहा कि सरकार ने सड़क, पुल, हर घर नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाया है और माफिया–मच्छर को समाप्त कर इंसेफेलाइटिस को खत्म किया है। एक तरफ मोदी के नेतृत्व में देश का सम्मान बढ़ रहा है तो दूसरी तरफ आतंकवाद–नक्सलवाद भी समाप्त हुआ। सीएम ने बताया कि गोरखपुर ग्रामीण के खोराबार में पुलिस ट्रेनिंग स्कूल भी बन रहा है। गरीबों के बच्चों के लिए सहजनवां में अटल आवासीय विद्यालय बन गया है। बच्चे भी सैन्य अधिकारी बनें, इसके लिए इस वर्ष गोरखपुर में सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने जा रहे हैं। गोरखपुर में एम्स, फर्टिलाइजर, चीनी मिल, अच्छी ट्रेन और चौड़ी सड़कें भी है। अब प्लेन में बैठकर डेढ़–दो घंटे में गोरखपुर से मुंबई की यात्रा कर रहे हैं। गोरखपुर वासियों से हंसी–ठिठोली करते हुए सीएम योगी ने पूछा कि रवि किशन की फिल्में कितने लोगों ने देखी। पैसा देकर देखी या फ्री में, चुनाव के बाद वे फ्री में फिल्म दिखाएंगे। फिल्म में कितने लोग काम करना चाहते। उन्होंने कहा कि रामगढ़ताल के किनारे शूटिंग भी हो रही।

जब आप अच्छी सरकार, अच्छी पार्टी व अच्छे नेता को वोट देते हैं तो सम्मान–सुरक्षा, विकास और गरीब कल्याण भी होता है। उन्होंने सरकार की योजनाओं को गिनाया और बोले कि चार जून को फिर एक बार मोदी सरकार बनेगी तो बचे हुए गरीबों को मकान उपलब्ध कराएंगे। गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूज्य महाराज महंत दिग्विजयनाथ, महंत अवेद्यनाथ ने राम मंदिर आंदोलन को खड़ा किया था, इसलिए गोरखपुर समेत पूरा देश बोलता है कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। पीएम मोदी के कारण 500 वर्ष बाद रामलला अयोध्या में विराजमान हुए। पहले पैसा कब्रिस्तान में खर्च होता था, अब मठ–मंदिरों के जीर्णोद्धार में खर्च होता है। सीएम योगी ने कहा कि एक तरफ भाजपा आपको सुरक्षा–सम्मान देती है तो दूसरी तरफ बसपा को मौलाना के अलावा कोई कैंडिडेट ही नहीं मिल पाया। सपा और कांग्रेस कहती है कि सरकार बनेगी तो पर्सनल कानून लागू करेंगे यानी वे तालीबानी शासन लागू करना चाहते हैं। ऐसा होने पर बेटी बाहर नहीं जा सकती, बुर्का पहनकर महिलाएं घर में रहेंगी, लेकिन वे यह जान लें कि भाजपा देश को बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के संविधान से चलाएगी। पार्टी शरिया कानून नहीं लागू होने देगी। यह लोग विरासत टैक्स के जरिए औरंगजेब का जजिया कर लगाना चाहते हैं। यह पूर्वजों की संपत्ति का सर्वे कराकर आधी संपत्ति ले लेंगे और पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान से आए घुसपैठी मुसलमानों को देंगे, हम यह बर्दाश्त नहीं करेंगे। कांग्रेस व सपा में औरंगजेब की आत्मा घुस गई है। हमें इसे फिर जीवित नहीं होने देना है। सीएम ने गोरखपुर वालों से कहा कि पांच दिन प्रचार में शेष हैं। हर व्यक्ति को पांच–पांच घर जाकर प्रत्येक मतदाता से वोट देने के लिए अनुरोध करना है। 25 घर में 100–125 वोट होंगे। यह वोट पहली जून को सुबह दस बजे से पहले पड़ जाएं, इसका ध्यान रखना है। गोरखपुरवालों ने भी हाथ उठाकर योगी आदित्यनाथ को आश्वस्त किया कि गोरखपुर में कमल ही खिलेगा और रवि किशन दोबारा सदन में जाएंगे। जनसभा में योगी सरकार की मंत्री रजनी तिवारी, गोरखपुर के सांसद व भाजपा प्रत्याशी रवि किशन, गोरखपुर ग्रामीण के विधायिक विपिन सिंह, भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सत्येंद्र सिन्हा, महानगर महामंत्री अच्युतानंद शाही, पिपरौली ब्लाक प्रमुख दिलीप यादव, खोराबार के ब्लाक प्रमुख शिवप्रसाद जायसवाल, भाजपा महिला मोर्चा की क्षेत्रीय अध्यक्ष अमिता गुप्ता, हौसिला सिंह, लालजी सिंह आदि मौजूद रहे।

दीदी के देवर ने सिंदूर भरकर किया दुष्कर्म–चार वर्षों तक करता रहा शारीरिक शोषण

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाने में इलाके के एक गांव की युवती ने अपनी बड़ी बहन के देवर पर शादी का झांसा देकर चार वर्षों तक शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि देवर ने मध्य प्रदेश के जबलपुर बुलाकर अपने फ्लैट में भी पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। शादी का दबाव बनाने पर युवती को विश्वास दिलाने के लिए स्टेशन ले जाकर मांग में सिंदूर भर दिया। युवती की तहरीर पर पुलिस ने गुलरिहा थाने में खजनी उनवल निवासी देवर मनीष प्रजापति के खिलाफ 22 मई को केस दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक गुलरिहा इलाके के एक गांव की युवती की बड़ी बहन की शादी खजनी इलाके के उनवल में हुई है। बहन के देवर मनीष प्रजापति से आते–जाते युवती की पहचान बढ़ गई। आरोप है कि युवक प्रेमजाल में फंसाकर युवती से बातचीत करने लगा और शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। जब भी वह युवती के घर जाता उसे शादी करने का दिलासा देकर दुष्कर्म करता रहा।

योग और शाकाहार आवश्यक–ओम प्रकाश आर्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। आर्य वीर दल बस्ती द्वारा गत 21 मई से जी वी एम कान्वेंट स्कूल बस्ती में चल रहे दस दिवसीय चरित्र निर्माण शिविर के बौद्धिक कक्षा में ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य संरक्षक आर्य वीर दल बस्ती सौ वर्ष तक जीने के लिए योग, प्राणायाम, यज्ञ और शारीरिक व्यायाम की परम आवश्यकता होती है। इससे हमारा स्थूल शरीर ही नहीं बल्कि सूक्ष्म शरीर भी पुष्ट और बलवान होता है। शाकाहार जीवन को मूल्यवान बनता है और मांसाहार से जीवन का मूल्य कम होता है और शरीर रोगों का घर बन जाता है। उन्होंने बच्चों को नमस्ते जी नमस्ते जी कविता का गान कराया। इससे पूर्व प्रशिक्षक राहुल आर्य एवं राम तनय के सानिध्य में बच्चों ने यौगिक स्तूप और व्यायाम के प्रशिक्षण प्राप्त किया। राहुल आर्य ने बताया कि हमें अपने कौशल और पराक्रम का प्रयोग हमेशा स्वहित के साथ साथ देश और समाज के कल्याण के लिए ही उपयोग करना है। आर्य वीर दल अपने सृजित ज्ञान विज्ञान का उपयोग देश के विकास के लिए प्रयोग करना ही सिखाता है। बालिकाओं को लेजियम और सर्वांग सुंदर व्यायाम कराते हुए प्रशिक्षिका दुर्गा, महिमा और निधि ने उन्हें आत्मरक्षा के गुर भी सिखाए। यज्ञ कराते हुए आचार्य देवव्रत आर्य ने बच्चों को बताया कि यज्ञ हमें परोपकार की प्रेरणा दिया। इससे इदम न मम अर्थात यह मेरा नहीं है की प्रेरणा मिलती है।

इस अवसर पर श्रीमती नीलम सिंह जी, श्रीमती कमलेश पाण्डेय, डा शशिकला श्रीवास्तव, जया पाण्डेय, विजयलक्ष्मी सिंह, राहुल श्रीवास्तव, संतोष सिंह, अनूप कुमार त्रिपाठी, सुधांशु मिश्र, शैलेन्द्र कुमार, गरुण व वज पाण्डेय, घनश्याम आर्य ने बच्चों को शुभकामनाएं दीं।

रईसी ने दुनिया को अन्याय के खिलाफ लड़ने का हौसला दिया – मौलाना मोहसिन

संवाददाता–अयोध्या। इब्राहिम रईसी वह विद्वान एवं बहादुर व्यक्ति थे जिन्होंने दुनिया को जुल्म एवं अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करने का हौसला दिया। 3 वर्ष के अपने राष्ट्रपति के छोटे से कार्यकाल में जहां उन्होंने अपने मित्र देशों से संबंध सुदृढ़ किये, वहीं उन्होंने छोटे एवं कमजोर देशों पर अन्याय एवं जुल्म करने वाले शक्तिशाली देशो की आंखों में आंखें डालकर बात की। यह बातें मौलाना मोहसिन ने हेलिकॉप्टर हादसे में शहीद हुए अयातुल्लाह सैयद इब्राहिम रईसी राष्ट्रपति–ईरान, अयातुल्लाह सैयद मोहम्मद अली हाशिम–इमाम ए जुमा,डॉक्टर हुसैन अमीर अब्दुलहियान विदेश मंत्री–ईरान, डॉक्टर मालिक रहमती, सरदार सैयद मेहंदी मूसवी एव उनके साथियों के गम में आयोजित शोक सभा एवं मजलिस ए अजा मे व्यक्त की। बज्म ए अब्बासिया एवं प्रबन्ध समिति–मोती मस्जिद के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित शोक सभा को संबोधित करते हुए मौलाना जाफर रजा– इमाम ए जुमा अयोध्या ने इब्राहिम रईसी के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला और कहा कि रईसी ने दीन पर चलते हुए बहादुरी के साथ विकसित ईरान को विश्व पटल पर प्रस्तुत किया। शोक सभा का प्रारंभ मुहम्मद खादिम ने तिलावत ए कुरान से किया। अली हैदर एवं हम्जा अकबरपुरी ने ताजियती कलाम पेश किए। शोक सभा का संचालन मोती मस्जिद प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ) मिर्जा शहाब शाह ने किया। आए हुए गम जदा मेहमानों को धन्यवाद, मिर्जा साजिद रजा सचिव– मोती मस्जिद एवं नवाब आफताब आलम सचिव–बज्म ए अब्बासिया ने दिया।

बोर्ड व पेड़ से टकराई बाइक, एक की मौत दूसरा घायल

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के मेंहदावल रोड पर बघौली के पास एक बाइक सवार अनियंत्रित होकर बोर्ड व पेड़ से टकरा गए। दुर्घटना में एक की मौत हो गई। दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका इलाज चल रहा है। बस्ती जिले के थाना मुण्डेरवा के कराह पिटिया निवासी विजय पुत्र उदय राज चौधरी व जितेन्द्र यादव पुत्र पुरुषोत्तम शनिवार की रात लगभग 1.30 बजे बाइक से खलीलाबाद से बखिरा जा रहे थे। बघौली के पास इनकी बाइक अनियंत्रित होकर एक बोर्ड तथा पेड़ से टकरा गई। दुर्घटना में दोनों को काफी चोटें आईं। जानकारी होने पर दोनों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डाक्टर ने जितेन्द्र पुत्र पुरुषोत्तम को मृत घोषित कर दिया। विजय पुत्र उदय राज चौधरी का इलाज चला रहा है। पुलिस ने दोनों के परिजनों को सूचना दे दी है। मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

गर्मी से हांफती दिखी तराई, पारा 43 डिग्री पहुंचा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। तराई में गर्मी से सभी बेहाल हैं। अधिकतम पारा 43 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहने से दोपहर में भीषण गर्मी से तराई हांफती दिखी। दोपहर में नजारा कुछ और दिख रहा है।

ज्यादातर लोग घरों में दुबक जा रहे हैं। इससे सड़कों पर कर्फ्यू जैसा नजारा दिख रहा है। लोगों के साथ जानवर भी तेज धूप और उमस से आजिज आ चुके हैं। मौसम वैज्ञानिक का कहना है कि गर्मी से अभी तीन से चार दिनों तक राहत के कोई आसार नहीं बन रहे हैं। तराई के आंगन में गर्मी के मौसम ने सभी को पस्त कर दिया है। शहर से लेकर गांव तक सभी लोग गर्मी से हायतौबा कर रहे हैं। दिन में तेज धूप और गर्म हवा लोगों का रास्ता रोक रही है। खुले आसमान से धूप की किरणें लोगों पर ऐसी पड़ रही हैं कि लोगों की स्किन झुलस रही है। वहीं रात में उमस लोगों को रतजगा करने पर मजबूर कर रही है। खासकर मई के तीसरे हफ्ते में लगातार न्यूनतम तापमान बढ़ा है। इसलिए पिछले एक हफ्ते की रातें लोगों के लिए काटना मुश्किल हो गया। मौसम के मिजाज को परखते हुए लोग दोपहर का वक्त छांव में बिता रहे हैं। इससे दोपहर में शहर की ज्यादातर सड़कों पर सन्नाटा नजर आ रहा है। जो लोग दिखाई भी पड़ रहे हैं वह गमछा, कैप, स्टल आदि का उपयोग करके तेज धूप से बचने की कोशिश कर रहे हैं। राज्य कृषि मौसम केन्द्र के प्रभारी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को सिद्धार्थनगर जिले का अधिकतम तापमान 43 डिग्री व न्यूनतम 30.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। तराई में गर्मी से अभी अगले तीन से चार दिनों तक राहत मिलने के कोई आसार नहीं है।

प्रधानमंत्री–मुख्यमंत्री के खिलाफ अभद्र टिप्पणी पर मुकदमा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज पुलिस ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में एक व्यक्ति पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के रवींद्र शर्मा, राजन सिंह, आकाश पाण्डेय, उदय प्रताप सिंह आदि ने रविवार को डुमरियागंज पुलिस को तहरीर देकर बताया कि क्षेत्र के रीवा गांव निवासी अब्दुल कादिर पुत्र खबीर ने शनिवार की रात में सोशल मीडिया पर पीएम–सीएम पर अभद्र टिप्पणी की है। उन्होंने तहरीर के साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट–कमेंट का स्क्रीन शॉट की छायाप्रति भी दी। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी अब्दुल कादिर ने सोशल मीडिया पर ऐसा पोस्ट किया है। पुलिस ने रविवार को तहरीर के आधार पर रीवा गांव निवासी अब्दुल कादिर पुत्र अब्दुल खबीर के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक मुकेश कुमार राय ने बताया कि केस दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मंदिर दर्शन के बहाने घर लाकर युवती से किया दुष्कर्म

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के एक गांव में अपने मौसी के घर गई युवती को गांव का एक युवक मंदिर दर्शन कराने के बहाने ले गया,वापस लौटते समय जानबूझकर रात कर दी और युवती को अपने घर लाकर दुष्कर्म किया। घरवालों से शिकायत करने गई तो शादी करने का झांसा देकर उसने चुप करा दिया। जिसके बाद दो वर्षों तक शारीरिक शोषण करता रहा और बाद में विदेश चला गया। विदेश से लौटने पर आरोपित ने शादी से इंकार कर दिया। पीड़िता की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस ने युवक के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रामगढ़ताल क्षेत्र की 19 वर्षीय युवती की मौसी गुलरिहा क्षेत्र में रहती हैं। युवती अपने मौसी के घर गई थी। उसी दौरान उसकी मुलाकात गांव के एक युवक राज पुत्र रामदरश से हो गई। दोनों में बातचीत होने लगी तो युवक अक्सर युवती के मौसी के घर भी आने जाने लगा। एक दिन युवती की मौसी अपनी एक बहन के घर मिलने चली गई थी तो आरोपित मौका देखकर युवती को लेहड़ा मंदिर दर्शन कराने के बहाने साथ ले गया।

आरोप है कि लौटने में रात हो गई तो आरोपित युवती को अपने घर ले गया और जबरन दुष्कर्म किया। पीड़िता जब युवक के घर वालों से शिकायत करने गई तो शादी करने का झांसा देकर उसने चुप करा दिया। जिसके बाद दो वर्षों तक शारीरिक शोषण करता रहा और बाद में विदेश चला गया। विदेश से लौटने पर आरोपित ने शादी से इंकार कर दिया। पीड़िता की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस आरोपित राज के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कर तलाश कर रही है।

घर से 20 हजार नकद व जेवर लेकर युवती फरार

संवाददाता–गोरखपुर। एम्स इलाके में रहने वाली एक युवती घर से बीस हजार रुपये नकद और जेवर लेकर फरार हो गई। मां का आरोप है कि देवरिया के गौरीबाजार का रहने वाला मोहम्मद कैफ उसे बहला–फुसला कर भगा ले गया है। मां की तहरीर पर एम्स थाना पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। मां ने दी तहरीर में लिखा है कि अचानक उनकी बेटी घर से लापता हो गई। घर में जाकर देखने पर अलमारी में रखा 20 हजार रुपये नगद और जेवर गायब था। काफी तलाशने के बाद पता चला कि आरोपी मोहम्मद कैफ उसे बहला–फुसला कर भगा ले गया है। मोबाइल फोन पर संपर्क करने के बाद भी बातचीत नहीं हो सकी। एम्स पुलिस आरोपी के खिलाफ अपहरण करने की धारा में केस दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।

उस्का बाजार में कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। उस्का बाजार कस्बा के सुभाष नगर वार्ड में रविवार से सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा यज्ञ के अनुष्ठान स्थल से निकल कर आद्याप्रसाद नगर मोहल्ले से होकर गुजरने वाली कूड़ा नदी के दुख्खी माझी घाट पर पहुंची। जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धालुओं ने कलश में जल भरकर स्टेट बैंक, पुराना सिनेमा हाल, टैक्सी स्टैंड तिराहा होते हुए पुनः यज्ञ स्थल पर पहुंचे। कथा वाचक आचार्य संतोष शुक्ल ने विधि विधान से कलश में जल भराया। इस दौरान जयकारों व भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। कलश यात्रा में सोमई प्रसाद, सावित्री देवी, सुधीर विश्वकर्मा, मंतू प्रसाद विश्वकर्मा, विभूति अग्रहरि, विजय, कन्हैया जायसवाल, संतू विश्वकर्मा, राम विलास आदि मौजूद रहे।

राम मंदिर में फोन के साथ नहीं मिला प्रवेश, वीआईपी बोले- अब सोशल मीडिया पर क्या डालें

संवाददाता–अयोध्या। राममंदिर में शनिवार को वीआईपी दर्शन करने वाले भी अपना मोबाइल फोन नहीं ले जा सके। जगह–जगह चेकिंग के बाद किसी को भी अंदर फोन ले जाने की अनुमति नहीं दी गई। इस बात पर कई श्रद्धालु पुलिस कर्मियों से बहस करते नजर आए। इसके बावजूद नियमों के ऊपर किसी की भी एक न सुनी गई। यहां तक की वीवीआईपी भी दर्शन के दौरान फोटो नहीं खिंचा सके। अब तक मंदिर में वीआईपी दर्शन करने वालों को एक फोन ले जाने की छूट थी। शुक्रवार को राम मंदिर ट्रस्ट और जिला प्रशासन की ओर से मंदिर परिसर में किसी के भी फोन ले जाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। अब मंदिर परिसर या दर्शन करते हुए सामान्य श्रद्धालुओं की तरह वीआईपी दर्शनार्थी भी फोटो नहीं खींच सकेंगे। रंगमहल बैरियर के पास से हो रही वीआईपी दर्शन की एंट्री के दौरान एक युवक के पास फोन था। पुलिस ने जब चेकिंग के बाद उससे फोन रखने के लिए कहा तो वह एक फोन साथ ले जाने वाला पुराना नियम बताने लगा। इस पर पुलिसकर्मियों ने उसे समझाया कि नया नियम आज से ही लागू हुआ है। युवक अपनी बात पर अड़ा रहा और वीआईपी होने की धौंस देता रहा। वीआईपी दर्शन कर लौट रही युवती परिजनों से कह रही थी कि क्या फायदा रहा वीआईपी दर्शन करने का, जब एक फोटो तक नहीं ले सके। यहां तक आने के बाद कम से कम एक फोटो तो होनी चाहिए। सभी लोगों ने अपने सोशल मीडिया पर फोटो अपलोड की है। लेकिन हम नहीं कर पाएंगे। पापा एक फोटो तो किसी से बोल कर करवा ही लो।

मंदिर में रामलला के दर्शन करने के बाद निकले नव दंपती वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों से फोटो खींचने के लिए कहने लगे। इस पर सुरक्षा कर्मी ने साफ इन्कार करते हुए कहा कि मेरे पास भी फोन नहीं है। इसके बाद पति–पत्नी निराश होकर बाहर की ओर चल दिए। आधे घंटे में करीब 10 से ज्यादा लोगों के साथ ऐसा देखने को मिला।

गोरक्षपीठ की आभा में उलझा जातीय समीकरण

संवाददाता–गोरखपुर। पांच बार सांसद रह चुके मुख्यमंत्री योगी की छत्रछाया में जीत का दावा कर रहे रविकिशन का मुकाबला इसबार आइएनडीआइ से है जिसने सपा प्रत्याशी काजल निषाद को मैदान में उतारा है। गठबंधन का भरोसा जातीय समीकरण पर है लेकिन इस समीकरण के मंदिर की आभा में उलझे होने का अहसास भी समी को है। गोरक्षपीठ यानी नाथ पंथ की शीर्ष पीठ। इस पीठ की आभा ने गोरखपुर को उत्तर प्रदेश का पावर सेंटर बना दिया है। साढ़े तीन दशक से गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र की सियासी सरगर्मी पर पूरे देश की नजर है। पीठ की खड़ाऊ लेकर भाजपा के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरे सांसद रवि किशन उसी आभा मंडल के सहारे दूसरी बार सांसद बनने की राह पर हैं। 1984 के चुनाव में सफलता हासिल करने के बाद से ही इस संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस पहले जीत को तरसती रही और उसके बाद में जमानत बचाने तक के लिए। वर्ष 1989 से लेकर 1996 तक तीन चुनावों में तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ और 1998 से लेकर 2014 तक पांच चुनाव में वर्तमान पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ को जनता ने संसद के लिए अपना प्रतिनिधि चुना। इसके पहले 1967 में तत्कालीन महंत दिग्विजयनाथ और 1969 में उनके ब्रह्मलीन होने के बाद महंत अवेद्यनाथ गोरखपुर संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके थे। राममंदिर आंदोलन के दौर में 1989 के चुनाव में महंत अवेद्यनाथ ने दोबारा राजनीति में वापसी की। उसके बाद गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र पर गोरक्षपीठ के दबदबे का सिलसिला चल पड़ा। 1989 का चुनाव महंत अवेद्यनाथ ने हिंदू महासभा के प्रत्याशी के रूप में लड़ा था, उसके बाद वह और उनके उनके शिष्य योगी आदित्यनाथ लगातार भाजपा के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरे सांसद रवि किशन उसी आभा मंडल के सहारे दूसरी बार सांसद बनने की राह पर हैं। 1984 के चुनाव में सफलता हासिल करने के बाद से ही इस संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस पहले जीत को तरसती रही और उसके बाद में जमानत बचाने तक के लिए। वर्ष 1989 से लेकर 1996 तक तीन चुनावों में तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ को जाता है। योगी आदित्यनाथ के 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद गोरक्षपीठ का चेहरा भले ही संसदीय सीट पर नहीं दिखता है, लेकिन एक साल के उप चुनाव वाले कार्यकाल को हटा दें तो 2019 से वर्तमान सांसद रवि किशन खुद को गोरक्षपीठ का सेवक और पीठ की खड़ाऊ रखकर सेवा करने वाला बताकर यह कहने से नहीं चूकते कि वह योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में ही चुनाव लड़ रहे हैं। उधर गठबंधन प्रत्याशी 2018 के उप चुनाव में जातीय समीकरण के जरिये सपा प्रत्याशी प्रवीण निषाद (वर्तमान में संतकबीर नगर से भाजपा प्रत्याशी) को मिली जीत को उदाहरण मानकर एक बार फिर मंदिर की आभा में उलझे नजर आ रहे। इसे नजरअंदाज कर कि 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा के साथ समीकरण घरे रह गए और गोरखपुर की सीट वापस भगवा खेमे में आ गई है। निषाद बहुल संसदीय क्षेत्र मानकर सपा गोरखपुर संसदीय सीट पर निषाद प्रत्याशियों के जरिये ही दांव आजमाती रही है।

नाबालिग से छेड़खानी करने वाला युवक गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज थाना क्षेत्र के जंगल कौड़िया चौकी क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग से छेड़खानी के विरोध पर मारपीट कर धमकी देने के मामले में किशोरी के पिता की तहरीर पर पीपीगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज रविवार को एक युवक को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया है। पीपीगंज थानांतर्गत जंगल कौड़िया चौकी के एक गांव की नाबालिग किशोरी घर से बाहर जैसे निकली वैसे आरोपी युवक पीछे से आ गया और किशोरी के साथ छेड़खानी करने लगा। किशोरी ने घरकर आपबीती सुनाई जिस पर परिजनों ने पीपीगंज पुलिस को शनिवार को तहरीर दी। पुलिस ने किशोरी की मां की तहरीर पर आरोपी युवक रामरक्षा चौहान के खिलाफ पाक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे तुर्कवलिया मोड़ से गिरफ्तार कर लिया। न्यायालय में पेश कर उसे जेल भेज दिया गया।

वोट बिखरे तो चौंकाने वाले आएंगे परिणाम

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में लोकतंत्र का उत्सव मनाने के बाद चुनाव परिणामों पर चर्चा शुरू हो गई है। चाय–पान की दुकानों अथवा जहां कहीं भीड़ जुट रही वहीं चुनावी बहस छिड़ जा रही है। चुनावी समीकरण के बनने और बिगड़ने पर प्रत्याशियों के जीत–हार की कयासबाजी तक लगाए। खलीलाबाद विधान सभा क्षेत्र के विश्वनाथपुर चौराहे के किराने की दुकान के बगल और मैनसिर में पंचर बनाने की दुकान के पास पाकड़ के पेड़ के नीचे बैठे लोग बहस छेड़े हुए थे। किसी ने प्रचार के तरीकों में आए बदलाव की चर्चा की तो किसी ने पैरा मिलिट्री फोर्स की मुस्तैदी से शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव होने की चर्चा की। विश्वनाथपुर चौराहे पर छिड़ी चर्चा में सुरेश ने कहा कि कई चुनाव देखे, लेकिन ऐसा चुनाव नहीं देखा। इस बार तो न लाउडस्पीकर बजा और न ही चहलकदमी दिखी। सादगी के बीच फोर्स की मुस्तैदी से चुनाव हुआ। यदि वोटरों का बिखराव हुआ तो परिणाम चौंकाने वाला हो सकता है।

रिटायर्ड जल निगम के कर्मी मारकंडेय पांडेय ने कहा कि पहले तो विकास के मुद्दे और प्रत्याशी का व्यक्तित्व लड़ता था, लेकिन अब जाति–पांति की राजनीति हो रही है और मुद्दे गायब हैं। जीतन और जवाहर अग्रहरि ने कहा कि पहले प्रत्याशियों के वादे पर भरोसा होता था, अब तो मतलब की राजनीति हो गई है। जीत के बाद प्रत्याशी कहां दिखते हैं। उसी दौरान दिलीप पांडेय, मोहित, प्रदीप, धनराज, रामजीत, मिंटू, धर्मेंद्र, सुनील, संदीप, जनार्दन, वीरेंद्र और भल्ली ने अपने–अपने तर्क रखे। सभी यही कह रहे थे कि इस बार वोटों का बिखराव हुआ तो नतीजा चौंकाएगा। ऐसा ही माहौल मैनसिर में एक पंचर की दुकान के पास पाकड़ के पेड़ के नीचे दिखा, जहां राममिलन, कांशीराम, सर्वेश, हंसराज और भीखू बैठे हुए थे। सभी यही कह रहे थे कौन किसको वोट दिया, यह आंकलन कर पाना मुश्किल है।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्प्लेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,
ई.मेल:bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com

मिट्टी फैलाने को लेकर मारपीट, तोड़फोड़ का आरोप

चौरीचौरा के डुमरी खास निवासी देवी शरन पासवान ने पुलिस को तहरीर देकर गिराई गई मिट्टी को फैलाने की बात को लेकर पड़ोसी पर जानलेवा हमला करने व तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीड़ित देवी शरन का कहना है कि रविवार की सुबह 7 बजे घर पर गिराई गई मिट्टी को उनकी मां फैला रही थीं। उनके पड़ोसी उनकी माता को भद्दी गाली देने लगे। गाली देने से मना किया तो मनबढ़ों ने उनकी माता को उठा कर पटक दिया। वह बचाने गए तो उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया। किसी तरह से जान बचाकर घर में भागे तो विपक्षी धारदार हथियार लेकर वहां भी पहुंच गए और बुरी तरह से मारा। घर में रखा सामान व मोबाइल भी तोड़ दिया।